मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, रविवार, 19 जुलाई 2026

संवत 2083, अषाढ़ शुक्ल 5 मूल्य-3 रुपये

वर्ष-9, अंक 305 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▸▸ जापान में स्थित है 600 साल पुराना तलाक मंदिर

विक्रांत की सादगी पर फिदा हुई महिमा ◂◂ 6

ईरान में 5.0 तीव्रता के भूकंप से दहशत, घरों से बाहर भागे लोग, तेल-गैस क्षेत्र में बढ़ी सतर्कता

तेहरान , ईरान के दक्षिण-पश्चिमी प्रांत खुजेस्तान में रविवार को 5.0 तीव्रता के भूकंप के झटकों से दहशत फैल गई। स्थानीय समयानुसार आए इस भूकंप का केंद्र सैलैंड और उसके आसपास का क्षेत्र रहा। रिक्टर पैमाने पर इसकी तीव्रता 5.0 दर्ज की गई, जबकि केंद्र जमीन से करीब 12 किलोमीटर की गहराई में था। कम गहराई के कारण झटके काफी तेज महसूस किए गए।

सरकारी प्रसारक आईआरआईबी के अनुसार, भूकंप आते ही लोग घबराकर अपने घरों से बाहर निकल आए। कई स्थानों पर घरों में रखा सामान गिर गया, जबकि लोग सुरक्षित स्थानों और खुले मैदानों की ओर भागते दिखाई दिए।

स्थानीय प्रशासन ने सैलैंड और आसपास के ग्रामीण इलाकों में नुकसान का आकलन शुरू कर दिया है। फिलहाल किसी बड़े जान-माल के नुकसान की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन राहत एवं बचाव दल स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं।

विशेषज्ञों के अनुसार, कम गहराई (शैलो डेप्थ) पर आने वाले भूकंप अधिक खतरनाक माने जाते हैं। 12 किलोमीटर की गहराई पर आए इस भूकंप से ग्रामीण क्षेत्रों की कच्ची और पुरानी इमारतों को नुकसान पहुंचने की आशंका जताई जा रही है।भौगोलिक दृष्टि से ईरान दुनिया के सबसे सक्रिय भूकंपीय क्षेत्रों में शामिल है। देश अरेबियन और यूरेशियन टेक्टोनिक प्लेटों के संगम पर स्थित है। इन प्लेटों के लगातार टकराने और दबाव बनने से फॉल्ट लाइनों के माध्यम से ऊर्जा निकलती है, जिससे समय-समय पर भूकंप आते रहते हैं। ईरान इससे पहले भी कई विनाशकारी भूकंप झेल चुका है। वर्ष 2003 में बाम शहर में आए 6.6 तीव्रता के भूकंप में करीब 26 हजार लोगों की मौत हुई थी और पूरा शहर तबाह हो गया था। खुजेस्तान प्रांत में आए ताजा भूकंप के बाद प्रशासन विशेष सतर्कता बरत रहा है, क्योंकि इस क्षेत्र में तेल और गैस से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रतिष्ठान स्थित हैं। प्रभावित इलाकों से विस्तृत रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है।

फीफा वर्ल्ड कप 2026

फुटबॉल का महायुद्ध आज, फाइनल में टकराएंगे स्पेन-अर्जेंटीना

एजेंसी/ न्यूयॉर्कः अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको में करीब एक महीने तक चले रोमांच, उलटफेर और यादगार मुकाबलों के बाद फीफा विश्व कप 2026 का सफर अब आखिरी पड़ाव पर पहुंच गया है। रविवार देर रात खिताबी मुकाबले में गत चैंपियन अर्जेंटीना और 2010 की विश्व विजेता स्पेन आमने-सामने होंगे। स्पेन ने सेमीफाइनल में फ्रांस को 2-0 से हराकर फाइनल में जगह बनाई, जबकि अर्जेंटीना ने इंग्लैंड को 2-1 से मात देकर खिताबी मुकाबले का टिकट हासिल किया। फीफा विश्व कप 2026 का

फाइनल अमेरिका के न्यू जर्सी के ईस्ट रदरफोर्ड स्थित प्रतिष्ठित मेटलाइफ स्टेडियम (न्यूयॉर्क न्यू जर्सी स्टेडियम) में खेला जाएगा। यह पहली बार होगा जब न्यूयॉर्क महानगरीय क्षेत्र में विश्व कप फाइनल का आयोजन किया जाएगा। इस स्टेडियम में 80 हजार से अधिक दर्शकों के पहुंचने की उम्मीद है। यह मुकाबला टूर्नामेंट के पहले ऐसे फाइनल के रूप में भी याद किया जाएगा, जिसमें पहली बार हाफटाइम एंटरटेनमेंट शो का आयोजन होगा। इसके चलते पारंपरिक हाफटाइम अंतराल को भी बढ़ाया जाएगा।

फीफा विश्व कप के इतिहास में स्पेन और अर्जेंटीना की टीमें अब तक सिर्फ एक बार आमने-सामने आई हैं। दोनों के बीच पिछला मुकाबला 1966 विश्व कप में हुआ था, जिसमें अर्जेंटीना ने 2-1 से जीत दर्ज की थी। स्पेन अपना दूसरा विश्व कप फाइनल खेल रहा है, जबकि अर्जेंटीना आठवीं बार फाइनल में उतरेगा और 2022 में जीता अपना खिताब बचाने की कोशिश करेगा। अर्जेंटीना चौथे फीफा विश्व कप खिताब की तलाश में उतरेगा। टीम इससे पहले 1978, 1986 और 2022 में विश्व विजेता बन चुकी है। दूसरी ओर, स्पेन 2010 के बाद दूसरी बार ट्रॉफी जीतने के इरादे से मैदान में उतरेगा।

मेसी गोल्डन बूट की दौड़ में सबसे आगेः मेसी गोल्डन बूट की दौड़ में सबसे आगे हैं। उन्होंने आठ गोल करने के साथ चार में मदद भी की है। उन्हें फ्रांस के युवा कप्तान किलियन एमबापे (8 गोल, तीन में मदद) से कड़ी चुनौती मिल रही है। मेसी का यह अंतिम विश्व कप है और वह करियर में पहली बार गोल्डन बूट जीतकर इसे यादगार बनाना चाहेंगे।

मेसी बनेंगे सबसे उम्रदराज खिलाड़ीः फीफा वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल में लियोनल मेसी अगर योजना के अनुसार मैदान पर उतरते हैं, तो वह 39 वर्ष और 25 दिन की उम्र में विश्व कप फाइनल की शुरूआत करने वाले इतिहास के सबसे उम्रदराज आउटफील्ड खिलाड़ी बन जाएंगे।

चढ़ावा चोरी मामले में नया मोड़, राहुल और खरगे ने प्रधानमंत्री को लिखा पत्र, राम मंदिर विवाद में मचा हड़कंप

नई दिल्ली : अयोध्या स्थित भव्य राम मंदिर में करोड़ों रामभक्तों द्वारा चढ़ाए गए दान और चढ़ावे की कथित चोरी का मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है। इस बेहद संवेदनशील मुद्दे पर अब कांग्रेस के शीर्ष नेताओं ने सीधे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को घेर लिया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पीएम मोदी को एक संयुक्त पत्र लिखकर इस पूरे मामले में तत्काल स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच की मांग की है। विपक्ष के इस आक्रामक कदम के बाद देश का सियासी पारा एक बार फिर से चढ़ गया है।

नकद, सोना-चांदी, हर चढ़ावे के पाई-पाई का हिसाब हो सार्वजनिक : कांग्रेस नेताओं ने अपने संयुक्त पत्र में प्रधानमंत्री मोदी से पुरजोर आग्रह किया है कि ह्यश्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्टह्ल के वित्तीय प्रबंधन और कथित वित्तीय अनियमितताओं की एक व्यापक जांच के आदेश दिए जाएं। खड़गे और राहुल गांधी की मांग है कि देश भर से

श्रद्धालुओं द्वारा दान किए गए नकद, सोने और चांदी सहित सभी प्रकार के चढ़ावे की बारीकी से जांच हो। उन्होंने स्पष्ट किया है कि इस जांच के नतीजे और ट्रस्ट के खातों की पूरी जानकारी सार्वजनिक की जानी चाहिए, ताकि देश के हर रामभक्त को यह पता चल सके कि उनकी मेहनत की गाढ़ी कमाई का असल में कहां और कैसे इस्तेमाल हुआ है।

ठगा हुआ महसूस कर रहे करोड़ों रामभक्त, पीएम की चुप्पी अस्वीकार्यः मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए कांग्रेस नेताओं ने पत्र में लिखा है कि राम मंदिर में चढ़ावे की चोरी के इन गंभीर आरोपों से उन लाखों-करोड़ों भक्तों को गहरा आघात लगा है, जिन्होंने अपनी असीम श्रद्धा और खून-पसीने की कमाई से मंदिर निर्माण में योगदान दिया था। पत्र में इस बात पर भी जोर दिया गया है कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद संसद में ट्रस्ट के गठन की घोषणा खुद प्रधानमंत्री ने की थी और इसके सदस्यों की नियुक्ति भी सरकार द्वारा ही की गई थी। विपक्षी नेताओं ने आरोप लगाया है कि ट्रस्ट में आरएसएस और विहिप से जुड़े लोगों का दबदबा है, ऐसे में इतने बड़े विवाद पर प्रधानमंत्री की चुप्पी किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं की जा सकती।

दोषियों पर गिरे गाज, पद न बने बचाव की ढालः खड़गे और राहुल गांधी ने इस बात पर जोर दिया है कि जवाबदेही तय करना और श्रद्धालुओं के अटूट विश्वास की रक्षा करना सीधे तौर पर प्रधानमंत्री की ही जिम्मेदारी है। उन्होंने स्पष्ट तौर पर मांग की है कि इस मामले की जांच के दौरान जो भी व्यक्ति दोषी पाया जाए, उसके खिलाफ बिना किसी भेदभाव के सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। नेताओं ने चेताया है कि चाहे दोषी कितने भी ऊंचे पद पर क्यों न बैठा हो, उसे बख्शा नहीं जाना चाहिए, क्योंकि इस पूरे घटनाक्रम पर देश की जनता की पैनी नजर बनी हुई है।

घर से महिला का शव बरामद, परिजनों ने ससुराल वालों पर लगाया हत्या का आरोप

गिरिडीहः जिले के देवरी थाना अंतर्गत नयासांखो गांव में एक 24 वर्षीय महिला शेंपू देवी की लाश उसके घर से बरामद हुई है। मृतका के मायके वालों ने ससुराल वालों पर हत्या का आरोप लगाया है।

मृतका के दो बच्चे चार वर्ष का पुत्र और एक वर्ष की पुत्री है। परिजनों का कहना है कि हत्या कर लाश को आत्महत्या के रूप में दिखाने की कोशिश की गई है।

पांच साल पहले हुई थी शादीः मृतका के भाई आशीष चौबे ने बताया कि वर्ष 2021 में उसकी बहन शेंपू देवी की शादी तिलयडीह गांव के बसंत तिवारी के साथ हुई थी। विवाह के बाद सोने की चेन की मांग को लेकर ससुराल पक्ष के द्वारा शेंपू देवी को प्रताड़ित किया जा रहा था। चेन की मांग पूरी करने के बाद पैसे की मांग की जाने लगी। इसे लेकर लगातार विवाद किया जा रहा था। इस बीच शेंपू के पति के द्वारा फोन पर बताया गया कि शेंपू देवी ने आत्महत्या कर ली है। सूचना पर तिलयडीह पहुंचने पर पता चला कि शेंपू देवी की हत्या कर शव आत्महत्या दिखाने की कोशिश की गई।

मृतका के भाई ने हत्या का लगाया आरोपः आशीष चौबे ने कहा कि मृतका के पति बसंत कुमार तिवारी के उकसावे पर उसके घर के सदस्यों के द्वारा हत्या की इस घटना को अंजाम दिया गया है। इधर घटना की सूचना पर देवरी थाना के एएसआई राधेश्याम चौधरी मौके पर पहुंचकर शव का पंचनामा तैयार किया और पोस्टमार्टम के लिए गिरिडीह भेज दिया गया है।

पोस्टमार्टम के बाद सामने आएगी हत्या की वजहः पुलिस मौके पर मौजूद एएसआई राधेश्याम चौधरी ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम करवाया जाएगा, उसके बाद ही सही वजह सामने आएगी कि आखिर शेंपू देवी की मौत कैसे हुई। पुलिस ने बताया कि मृतका के मायके वाले जो भी आवेदन देंगे, उसपर एफआईआर दर्ज होगी। हालांकि ससुराल पक्ष के लोग हत्या के आरोपों से इंकार कर रहे हैं।

रेलवे ट्रैक पार कर रहा था झुंड, तभी आ गई तेज रफ्तार ट्रेन, नागपुर में कटकर 6 हिरणों की दर्दनाक मौत

नागपुर : नागपुर के कन्हान इलाके में मुंबई-हावड़ा रेलवे ट्रैक पर एक बेहद दर्दनाक हादसा सामने आया है। यहां तड़के रेलवे ट्रैक पार कर रहे हिरणों का एक झुंड अचानक तेज रफ्तार ट्रेन की चपेट में आ गया, जिससे छह हिरणों की मौके पर ही कटकर जान चली गई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर आगे की जांच शुरू कर दी है। इस दर्दनाक) घटना से इलाके में वन्यजीव प्रेमियों और स्थानीय लोगों में काफी निराशा है।

तुकाराम नगर इलाके में तड़के हुआ यह हादसाः प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार, यह हृदयविदारक घटना शनिवार तड़के 4 से 5 बजे के बीच नागपुर जिले के कन्हान रेलवे स्टेशन के पास स्थित तुकाराम नगर इलाके में हुई। तड़के के अंधेरे में हिरणों का एक बड़ा झुंड मुंबई-हावड़ा मेन लाइन से होकर गुजर रहा था। इसी दौरान एक तेज रफ्तार ट्रेन उस ट्रैक से गुजरी और जानवर खुद को बचा नहीं पाए। कन्हान पुलिस स्टेशन के अधिकारियों ने पुष्टि की है कि इस भीषण टक्कर में जिन छह हिरणों की मौत हुई है, उनमें पांच मादा और एक नर हिरण शामिल है।

ग्रामीणों की सूचना पर हरकत में आया वन विभागः हादसे के कुछ देर बाद जब सुबह के समय स्थानीय लोग रेलवे ट्रैक की तरफ गए, तो उन्होंने पटरियों के पास मृत अवस्था में पड़े हिरणों को देखा। ग्रामीणों ने बिना समय गंवाए इस घटना की सूचना पुलिस और वन विभाग के अधिकारियों को दी। मौके पर पहुंची वन विभाग की टीम ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण करते हुए पंचनामा किया। इसके बाद सभी मृत हिरणों के शवों को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है, ताकि मौत के स्पष्ट कारणों और समय को लेकर आधिकारिक रिपोर्ट तैयार की जा सके।

मध्य प्रदेश के कुएं में भी मिले थे 13 काले हिरणों के शव : वन्यजीवों की मौत का ऐसा ही एक खौफनाक मामला कुछ दिन पहले मध्य प्रदेश के शाजापुर जिले से भी सामने आया था। वहां कालापीपल तहसील के खरदौन कलां गांव में एक कुएं से अचानक तेज दुर्गंध आने लगी। जब ग्रामीणों ने कुएं के अंदर देखा तो वहां कई जानवरों के शव पड़े हुए थे। इसकी सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम तुरंत मौके पर पहुंची और रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। डीएफओ हेमलता शाह के मुताबिक, टीम ने उस कुएं से 13 काले हिरण (जिसमें चार नर और नौ मादा शामिल थे) और एक आवारा कुत्ते का शव बाहर निकाला था।

ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत

मेदिनी नगर : जपला रेलवे स्टेशन के समीप शनिवार देर रात मालगाड़ी की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल युवक को रेलवे कर्मियों व जपला आरपीएफ ने अनुमंडलीय अस्पताल, हुसैनाबाद पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान रंजीत यादव (पिता- स्व। रामपाल यादव), निवासी राकियांन बिगहा, थाना तिलौथू, जिला रोहतास (बिहार) के रूप में हुई। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि प्रथम दृष्टया मृतक शराब के नशे में प्रतीत हो रहा था। मामले की सूचना स्थानीय पुलिस एवं राजकीय रेल थाना को दे दी गई है तथा आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

राजौरी में कुदरत का कहर, बेला बस स्टैंड का नामोनिशान मिटा, बाढ़ में बहीं 250 गाड़ियां, 1992 जैसी तबाही से हाहाकार

- पुंछ में बाढ़ और भूस्खलन ने मचाई तबाही,सुरनकोट में 11 लोगों की मौत
- गुरेज में फटा बादल, बांदीपोरा में भारी बारिश से नाले उफान पर, घाटी में बढ़ा बाढ़ का खतरा

राजौरी : जम्मू-कश्मीर में आसमानी आफत ने एक बार फिर खौफनाक मंजर पैदा कर दिया है। राजौरी, अनंतनाग और उधमपुर समेत कई जिलों में मूसलाधार बारिश से जनजीवन पूरी तरह से अस्त-व्यस्त हो गया है। सबसे ज्यादा तबाही राजौरी शहर में देखने को मिली है, जहां बीती रात आई अचानक बाढ़ ने पूरे इलाके को अपनी चपेट में ले लिया। पानी का प्रहार इतना भयंकर था कि पल भर में ही सैकड़ों गाड़ियां तिनके की तरह बह गईं और कई आशियाने जमींदोज हो गए। लोग इस भयानक तबाही को 1992 में आई प्राकृतिक आपदा से जोड़कर देख रहे हैं और पूरे इलाके में दहशत का माहौल है।

बस स्टैंड बना दरिया, तिनके की तरह बह गई 250 कारें: राजौरी के बेला बस स्टैंड इलाके में तड़के करीब तीन बजे कुदरत ने ऐसा कहर बरपाया कि पूरे इलाके का नामोनिशान ही मिट गया। जलस्तर अचानक बढ़ने से बस स्टैंड का निचला हिस्सा पूरी तरह जलमग्न हो गया और वहां खड़ी 200 से 250 कारें पानी के

तेज बहाव में बह गईं। सोशल मीडिया पर इस खौफनाक तबाही के वीडियो भी वायरल हो रहे हैं, जिनमें गाड़ियां पानी में तैरती और बुरी तरह से क्षतिग्रस्त नजर आ रही हैं। पानी का वेग इतना ज्यादा था कि इलाके के दो मकान पूरी तरह से ढह गए और एक महिला के पानी में बहने से लापता होने की भी खबर है। स्थानीय लोगों का मानना है कि यह खौफनाक सैलाब बादल फटने जैसी घटना के कारण आया है।

घरों और दुकानों में घुसा सैलाब, जिंदगी भर की कमाई बर्बादः बाढ़ का पानी शहर के कई रिहायशी इलाकों और मुख्य बाजारों में घुसने से लोगों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है। लोगों के घरों में रखा कीमती सामान और दुकानों में रखा माल पानी में डूबकर पूरी तरह खराब हो गया है। सड़कों पर नालियों का पानी उफान मारने लगा है, जिससे स्थानीय लोगों का घर से निकलना भी दुश्वार हो गया है। अपनी आंखों के सामने घरों को उजड़ते देख चुके प्रभावित लोगों का कहना है कि उनकी जिंदगी भर की पूंजी इस बाढ़ में बह गई है और अब उनके पास कुछ नहीं बचा है। स्थानीय दुकानदारों को अपने प्रतिष्ठानों से पानी और कीचड़ निकालने के लिए भारी मशक्कत करनी पड़ रही है। लोगों ने प्रशासन से जल निकासी की व्यवस्था को तुरंत दुरुस्त करने की गुहार लगाई है।

सीएम उमर अब्दुल्ला की हालात पर नजर, 23 जुलाई तक हाई अलर्टः इस भीषण तबाही के बीच जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने स्थिति पर चिंता जताते हुए हालात की निगरानी शुरू कर दी है। उन्होंने साफ किया है कि ऐसे वक्त में प्रशासन की सबसे पहली प्राथमिकता कीमती जानें बचाना है। मुख्यमंत्री लगातार स्थानीय विधायकों के संपर्क में हैं और प्रभावित लोगों तक हर संभव मदद पहुंचाने का आश्वासन दिया है। वहीं, मौसम विभाग ने 19 से 23 जुलाई के बीच जम्मू संभाग के कई जिलों में मूसलाधार बारिश की चेतावनी जारी की है। जम्मू, कठुआ, सांबा, राजौरी, डोडा, रामबन और किश्तवाड़ जिलों को हाई अलर्ट पर रखा गया है, क्योंकि प्रमुख नदियों और पहाड़ी नालों का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। एहतियात के तौर पर प्रशासन ने लोगों से बेवजह यात्रा न करने और जल स्रोतों से दूर रहने की सख्त अपील की है।

तोरपा में एक ही रात दो दुकानों में चोरी

ज्वेलरी दुकान से 10 लाख के आभूषण और वाइन हाउस से नकदी व शराब ले उड़े चोर

नवनीत रंजन

तोरपा: खूंटी जिले के तोरपा मुख्य बाजार में शनिवार देर रात चोरों ने एक ही रात में दो अलग-अलग दुकानों को निशाना बनाकर लाखों रुपये की चोरी की घटना को अंजाम दिया। अज्ञात चोरों ने एक ज्वेलरी दुकान और एक वाइन हाउस का ताला तोड़कर सोने-चांदी के आभूषण, नकदी तथा अंग्रेजी शराब की चोरी कर ली। दोनों घटनाओं से बाजार के व्यवसायियों में दहशत का माहौल है। जानकारी के अनुसार, तोरपा मेन रोड स्थित मां शांति ज्वैलर्स में रात करीब 1:30 बजे चोरों ने शटर का ताला और लॉक तोड़कर दुकान में प्रवेश किया। चोर काउंटर में रखे करीब 10 लाख रुपये मूल्य के सोने-चांदी के आभूषण लेकर फरार हो गए। शनिवार सुबह दुकान संचालक गणेश सोनी जब दुकान खोलने पहुंचे तो शटर का ताला टूटा हुआ मिला। अंदर प्रवेश करने पर काउंटर से सभी आभूषण गायब थे। इसके बाद उन्होंने तत्काल तोरपा थाना पुलिस को सूचना दी। इसी रात करीब 2:13 बजे अज्ञात चोरों ने तोरपा मेन रोड स्थित एक वाइन हाउस का भी ताला काटकर चोरी की घटना को अंजाम दिया। चोर कैश काउंटर से 18 हजार रुपये नकद तथा दुकान में रखी करीब 10 पेटी कीमती अंग्रेजी शराब चोरी कर फरार हो गए। वाइन हाउस में हुई चोरी की पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई है। सीसीटीवी फुटेज में चोर अपनी पहचान छिपाने के लिए पूरे शरीर पर सफेद कपड़े, चेहरे पर मास्क तथा हाथों में दस्ताने पहने हुए दिखाई दे रहे हैं। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, सभी आरोपी एक कार से घटनास्थल पर पहुंचे थे और चोरी की वारदात को अंजाम देने के बाद उसी वाहन से फरार हो गए।

पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और दोनों घटनास्थलों का निरीक्षण किया। पुलिस सीसीटीवी फुटेज एवं अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर चोरों की पहचान करने में जुटी है। एक ही रात में दो बड़ी चोरी की घटनाओं से तोरपा बाजार के व्यवसायियों में भय का माहौल है। व्यापारियों ने पुलिस प्रशासन से रात्रि गश्ती बढ़ाने तथा जल्द से जल्द आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

अंतर जिला स्थानांतरण की मांग तेज, शिक्षकों ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को सौंपा ज्ञापन

संवाददाता

रांची : राज्य में अंतर जिला स्थानांतरण की मांग एक बार फिर तेज हो गई है। अंतर जिला स्थानांतरण शिक्षक संघ, झारखंड ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को ज्ञापन सौंपकर प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों के बचे हुए शिक्षकों का जल्द अंतर जिला स्थानांतरण कराने की मांग की है। संघ का कहना है कि हजारों शिक्षकों का स्थानांतरण हो चुका है, लेकिन करीब 1,500 शिक्षक-शिक्षिकाएं अब भी इस सुविधा से वंचित हैं।

करीब 1,500 शिक्षक अब भी कर रहे हैं इंतजारः संघ के अनुसार, अब तक लगभग 4,000 शिक्षकों का अंतर जिला स्थानांतरण किया जा चुका है। इसके बावजूद करीब 1,500 शिक्षक-शिक्षिकाओं का स्थानांतरण अभी तक नहीं हो सका है। संघ ने सरकार से मांग की है कि इन सभी शिक्षकों का भी जल्द से जल्द स्थानांतरण पूरा कराया जाए।

स्थानांतरण व्यवस्था को स्थायी बनाने की मांग: संघ के मुख्य प्रतिनिधि प्रेम प्यारेलाल ने कहा कि अंतर जिला स्थानांतरण की व्यवस्था को नियमावली, सरकारी संकल्प और अधिसूचना में स्थायी रूप से शामिल किया जाए। उनका कहना है कि इससे सभी पात्र शिक्षक-शिक्षिकाओं को सामान्य परिस्थितियों में अपने गृह जिले में स्थानांतरण का अवसर मिलेगा।

गृह जिले में पदस्थापना से शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ने का दावा: संघ का कहना है कि अगर शिक्षकों की पोस्टिंग उनके गृह जिले में होगी तो वे बेहतर माहौल में पूरी लगन के साथ पढ़ा सकेंगे। इससे विद्यार्थियों को भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलेगी और शिक्षा व्यवस्था मजबूत होगी।

टीईटी में क्षेत्रीय भाषा की अनिवार्यता खत्म करने की मांग: ज्ञापन में सरकार से सभी नियमों को शिथिल कर शेष शिक्षकों का अंतर जिला स्थानांतरण जल्द पूरा करने की अपील की गई है। साथ ही सुझाव दिया गया है कि दूसरे राज्यों से आए शिक्षक-शिक्षिकाओं की नियुक्ति सीमावर्ती जिलों में की जाए। संघ ने शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) में क्षेत्रीय भाषा की अनिवार्यता समाप्त करने की भी मांग की है, ताकि स्थानांतरण प्रक्रिया में किसी तरह की बाधा न आए।

सरकार से सकारात्मक फैसले की उम्मीद: संघ ने उम्मीद जताई है कि राज्य सरकार उनकी मांगों पर सकारात्मक निर्णय लेगी और वर्षों से अंतर जिला स्थानांतरण का इंतजार कर रहे शिक्षकों को राहत मिलेगी।

इन पदाधिकारियों ने किया ज्ञापन पर हस्ताक्षर: मुख्यमंत्री को सौंपे गए ज्ञापन पर मुख्य प्रदेश प्रतिनिधि प्रेम प्यारेलाल के अलावा रमेश कामन, संदीप कुमार महतो, एमडी मिनहाजुद्दीन हसन, किशोर कुमार दास, शमीम अंसारी, प्रमिला मोल्डो, सुनीता भार्क और अन्य पदाधिकारियों के हस्ताक्षर हैं।

मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ चतरा पुलिस की बड़ी कार्रवाई

4 लाख का 19.72 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद

चतरा: जिला पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई में 4 लाख रु मूल्य के 19.72 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ दो लोगों को गिरफ्तार किया है। शनिवार को इस आशय की जानकारी देते हुए टंडवा के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी प्रभात रंजन बरवार ने बताया कि चतरा के पुलिस अधीक्षक अनिमेष नैथानी को गुप्त सूचना मिली थी कि टंडवा थाना क्षेत्र के एनटीपीसी टंडवा, गेट नं-02 कमता गांव की ओर जाने वाली सड़क पर अवैध ब्राउन सुगर की खरीद ब्रिकी की जा रही है। सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए उनके नेतृत्व में हजारीबाग जिले के केरेडारी थाना क्षेत्र के पचड़ा गांव के राजेश कुमार (25 वर्ष) पिता लखन साव एवं टंडवा थाना क्षेत्र के नईपारम गांव के विकाश कुमार महतो (24 वर्ष) पिता कौल्हा महतो के पास से प्लास्टिक में रखा 19.72 ग्राम ब्राउन सुगर,माप तौल करने वाला मशीन बरामद किया गया। उन्होंने बताया कि बरामद ब्राउन सुगर की अनुमानित मुल्य करीब 4 लाख रुपया है। एसडीपीओ ने बताया कि राजेश कुमार के पास से 9.01 ग्राम ब्राउन सुगर, माप तौल करने वाली मशीन,एक आसमानी रंग का सैमसंग कम्पनी का एंड्रॉइड मोबाईल,एक एसीई कम्पनी का की पैड मोबाईल बरामद हुआ है।

बैंक ऑफ इंडिया ने किसान दिवस पर आयोजित किया भव्य कार्यक्रम

चतरा: बैंक ऑफ इंडिया, चतरा द्वारा शनिवार को जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट (डीएमएफटी) सह प्रशिक्षण भवन सभागार में किसान दिवस के अवसर पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को बैंकिंग सेवाओं, कृषि वित्तपोषण एवं सरकार की किसान हितैषी योजनाओं से जोड़ते हुए उनकी आर्थिक समृद्धि एवं आत्मनिर्भर कृषि को बढ़ावा देना था।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बैंक ऑफ इंडिया, प्रधान कार्यालय के महाप्रबंधक अमिताभ बनर्जी ने कहा कि बैंक ऑफ इंडिया किसानों के सर्वांगीण विकास एवं कृषि क्षेत्र को सशक्त बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। उन्होंने किसानों से किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी), कृषि ऋण, डिजिटल बैंकिंग एवं बैंक की विभिन्न किसान हितैषी योजनाओं का अधिकाधिक लाभ उठाने की अपील की। उन्होंने कहा कि समय पर वित्तीय सहायता उपलब्ध होने से कृषि उत्पादन के साथ-साथ किसानों की आय में भी वृद्धि होगी।अंचल प्रबंधक नरेंद्र कुमार ने कृषि वित्तपोषण एवं वित्तीय समावेशन को ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूती का आधार बताते हुए बैंक द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। वहीं लीड डिस्ट्रिक्ट मैनेजर एहसान अहमद, नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक मृत्युंजय बक्शी, कृषि विज्ञान केंद्र के निदेशक तथा जेएसएलपीएस के जिला कार्यक्रम प्रबंधक ने किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों, सरकारी योजनाओं, आजीविका संवर्धन एवं वित्तीय साक्षरता से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी।इस अवसर पर बैंक ऑफ इंडिया द्वारा किसान माह के तहत स्वीकृत लगभग छह करोड़ रुपये के कृषि ऋण के स्वीकृति पत्र किसानों के बीच वितरित किए गए। ऋण प्राप्त करने वाले किसानों ने बैंक के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इससे उनकी कृषि गतिविधियों को गति मिलेगी तथा उत्पादन क्षमता बढ़ाने में सहायता प्राप्त होगी।कार्यक्रम में जिले के विभिन्न प्रखंडों से बड़ी संख्या में किसान शामिल हुए। इस दौरान बैंक अधिकारियों ने किसानों की समस्याओं को सुना, बैंकिंग सेवाओं से संबंधित जिज्ञासाओं का समाधान किया तथा कृषि एवं बैंकिंग योजनाओं की विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराई।कार्यक्रम में बैंक ऑफ इंडिया के अंचल प्रबंधक नरेंद्र कुमार, लीड डिस्ट्रिक्ट मैनेजर एहसान अहमद, नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक मृत्युंजय बक्शी, कृषि विज्ञान केंद्र के निदेशक, जेएसएलपीएस के जिला कार्यक्रम प्रबंधक, बैंक ऑफ इंडिया के विभिन्न शाखा प्रबंधक, अधिकारी एवं जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए बड़ी संख्या में किसान उपस्थित थे।

5 महीने से मानदेय न मिलने पर महिला होमगार्ड की दर्दभरी गुहार पैसा दिला दीजिए, नहीं तो मर जाएंगे

जमशेदपुर : जिले के एमजीएम अस्पताल में शनिवार को एक भावुक कर देने वाली घटना सामने आई। अस्पताल में ड्यूटी पर तैनात महिला होमगार्ड फूलकुमारी, जो बोड़ाम थाना क्षेत्र की रहने वाली हैं, करीब पांच महीने से मानदेय नहीं मिलने के कारण अस्पताल परिसर में फूट-फूटकर रोने लगीं। आर्थिक तंगी और गंभीर बीमारी से परेशान महिला ने अपने बकाया मानदेय का जल्द भुगतान कराने की गुहार लगाई। उन्होंने कहा कि यदि समय पर मानदेय नहीं मिला तो उनकी स्थिति और भी गंभीर हो जाएगी।

मानदेय मिलने की उम्मीद टूटी तो बिगड़ी मानसिक स्थिति: जानकारी के अनुसार, शनिवार सुबह उन्हें सूचना मिली कि अगले सप्ताह भी बकाया मानदेय मिलने की संभावना नहीं है। यह सुनते ही वह मानसिक रूप से काफी परेशान हो गईं और अस्पताल परिसर में रोने लगीं। मौके पर मौजूद अस्पताल कर्मियों और अन्य होमगार्ड जवानों ने तुरंत उन्हें संभाला और पूछताछ केंद्र में बैठाकर काफी देर तक समझाया। इसके बाद उनकी स्थिति सामान्य हुई।

रीढ़ की गंभीर बीमारी से भी जूझ रहीं महिला होमगार्ड: फूलकुमारी पिछले करीब छह महीनों से रीढ़ की गंभीर बीमारी से पीड़ित हैं। उन्होंने एमजीएम अस्पताल सहित अन्य सरकारी अस्पतालों में इलाज कराया, लेकिन राहत नहीं मिलने पर पश्चिम बंगाल के पुरुलिया में उपचार शुरू कराया। डॉक्टरों ने ऑपरेशन कराने की सलाह दी है, लेकिन आर्थिक तंगी के कारण वह इलाज नहीं करा पा रही हैं। उन्होंने बताया कि पति से आर्थिक मदद की उम्मीद भी पूरी नहीं हो सकी।

साथियों ने दिया हौसला, बढ़ी चिंता : घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में होमगार्ड जवान अस्पताल पहुंचे और फूलकुमारी का हौसला बढ़ाया। सभी ने उन्हें धैर्य रखने और समस्या के समाधान का भरोसा दिलाया। अस्पताल परिसर में कुछ समय तक माहौल तनावपूर्ण बना रहा।

हंटरगंज में साइबर ठगों का बढ़ता आतंक

9 दिन में दो महिला के खातों से उड़े 15 हजार

न ओटीपी, न कॉल, न कोई लिंक, फिर भी खाते से उड़ गए 10 हजार रुपये

संवाददाता

चतरा: जिले के हंटरगंज थाना क्षेत्र में साइबर अपराधियों का जाल तेजी से फैलता नजर आ रहा है। महज नौ दिनों के भीतर दो महिलाओं के बैंक खातों से कुल 15 हजार रुपये की रहस्यमयी निकासी ने बैंकिंग सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। हैरानी की बात यह है कि दोनों मामलों में पीड़िताओं के पास न कोई संदिग्ध कॉल आया, न ओटीपी मांगा गया और न ही किसी लिंक पर क्लिक कराया गया, इसके बावजूद उनके खातों से रकम गायब हो गई।ताजा मामला नावाडीह पंचायत के खूंटीकेवालकला गांव की रहने वाली आशा देवी का है। पीड़िता ने शनिवार को हंटरगंज थाना में लिखित शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।पीड़िता ने बताया कि 14 जुलाई को उसके भाई प्रमोद यादव ने गूगल पे के माध्यम से उसके खाते में 11 हजार रुपये भेजे थे। राशि

निकालने के लिए जब वह बैंक ऑफ इंडिया, हंटरगंज शाखा पहुंची तो बैंककर्मियों ने बताया कि खाते में मात्र 1,880 रुपये ही शेष हैं। यह सुनते ही महिला के होश उड़ गए।बैंक जांच में पता चला कि उसी दिन किसी प्राइवेट बीसी (बैंकिंग कॉरिस्पॉन्डेंट) संचालक के माध्यम से खाते से 10 हजार रुपये की निकासी कर ली गई। पीड़िता का कहना है कि उसके पास न एटीएम कार्ड है, न किसी ने फोन कर ओटीपी मांगा और न ही उसने किसी लिंक पर क्लिक किया। इसके बावजूद खाते से रकम निकल जाना समझ से परे है।शिकायत के बाद बैंक ने सुरक्षा के मद्देनजर पीड़िता का खाता ब्लॉक कर दिया तथा थाने में प्राथमिकी दर्ज कराने की सलाह दी।

पहले भी हो चुकी है ऐसी वारदात: ज्ञात हो कि 9 जुलाई को भी हंटरगंज थाना क्षेत्र के कोसमाही गांव की एक महिला के खाते से साइबर ठगों ने 5 हजार रुपये निकाल लिए थे। लगातार सामने आ रहे इन मामलों ने ग्रामीणों में दहशत का माहौल पैदा कर दिया है।

बैंकिंग सुरक्षा व्यवस्था पर उठ रहे सवालः लगातार हो रही इस तरह की घटनाओं से बैंकों की सुरक्षा व्यवस्था भी सवालों के घेरे में है। बिना ओटीपी, बिना एटीएम और बिना मोबाइल अलर्ट के खातों से निकासी होना आम लोगों की चिंता बढ़ा रहा है। आशंका जताई जा रही है कि साइबर अपराधी आधार आधारित भुगतान प्रणाली (एईपीएस) या बायोमेट्रिक क्लोनिंग जैसी तकनीकों का दुरुपयोग कर रहे हैं। हालांकि इस मामले में वास्तविक तरीका जांच के बाद ही स्पष्ट होगा।

लोगों में बढ़ा डर, प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग: लगातार हो रही साइबर ठगी की घटनाओं के बाद खासकर महिलाएं और बुजुर्ग बैंकिंग सेवाओं के उपयोग को लेकर असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन, पुलिस और बैंक अधिकारियों से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों को गिरफ्तार तथा बैंकिंग सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की मांग की है।

खो-खो में 35वीं बटालियन का दबदबा,रोमांचक फाइनल जीतकर अंतर बटालियन खिताब पर किया कब्जा

चतरा: 35वें बटालियन सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) मुख्यालय, चतरा में आयोजित दो दिवसीय अंतर बटालियन खो-खो प्रतियोगिता का शनिवार को उत्साहपूर्ण माहौल में समापन हो गया। प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में मेजबान 35वीं बटालियन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 16वीं बटालियन, जमुई (बिहार) को कड़े संघर्ष में पराजित कर विजेता बनने का गौरव हासिल किया।समापन समारोह के मुख्य अतिथि क्षेत्रक मुख्यालय (विशेष प्रचालन), गया के उप महानिरीक्षक मानवेन्द्र सिंह नेगी ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया तथा उनके खेल कौशल और अनुशासन की सराहना की। उनके आगमन से खिलाड़ियों और जवानों का उत्साह दोगुना हो गया। फाइनल मुकाबला शुरू से अंत तक रोमांच से भरपूर रहा। दोनों टीमों ने जीत के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और दर्शकों को रोमांचक मुकाबला देखने का अवसर मिला। कांटे की टक्कर के बाद 35वीं बटालियन ने शानदार जीत दर्ज कर खिताब अपने नाम किया, जबकि 16वीं बटालियन उपविजेता रही। समापन अवसर पर मुख्य अतिथि ने विजेता एवं उपविजेता टीमों के खिलाड़ियों के साथ-साथ सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडर सहित उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को ट्रॉफी, पदक एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री ने 'आंगेन' के डायरेक्टर रविराज मुर्मू को राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिलने पर दी बधाई

विनय मिश्रा

रांचीः मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने संथाली फिल्म आंगेन के निर्देशक रवि राज मुर्मू को 'सर्वश्रेष्ठ नवोदित निर्देशक' की श्रेणी में 72वां राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिलने पर, हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। युवा फिल्म निमार्ता को बधाई देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, मैं रवि राज मुर्मू को इस शानदार उपलब्धि पर अपनी हार्दिक बधाई देता हूँ। यह प्रतिष्ठित राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार, जीतना न केवल उनके लिए एक व्यक्तिगत मील का पत्थर है, बल्कि झारखण्ड के लोगों और संताली भाषा के लिए भी गर्व की बात है। उन्होंने अपनी फिल्म 'आंगेन' के माध्यम से राष्ट्रीय मंच पर संथाली भाषा, संस्कृति और कहानियों की समृद्धि को बेहद खूबसूरती से प्रदर्शित किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सम्मान झारखण्ड से उभरती हुई बेहतरीन रचनात्मक प्रतिभाओं को दशार्ता है। साथ ही, यह कला, संस्कृति और देशज सिनेमा के एक जीवंत केंद्र के रूप में राज्य की बढ़ती पहचान को और मजबूत करता है।उन्होंने विश्वास जताया कि, रवि राज मुर्मू की यह सफलता झारखण्ड के युवा फिल्म निमार्ताओं और कलाकारों को प्रेरित करेगी। इससे वे सार्थक सिनेमा के माध्यम से, राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित और प्रोत्साहित करने के लिए आगे आएंगे।श्री सोरेन ने रवि राज मुर्मू के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि, वे भविष्य में भी अपनी उत्कृष्ट कला से झारखण्ड और देश का नाम रोशन करते रहें।

एक नजर

वार्ड 16 में एसआईआर फॉर्म भरने उमड़ी भीड़, पार्षद ने संभाली व्यवस्था

गुलाम शाहिद

रांचीः रांची नगर निगम के वार्ड संख्या 16 स्थित 239 वार्ड कार्यालय में रविवार को रक्फ़ से संबंधित फॉर्म भरवाने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। सुबह से ही कार्यालय में लोगों की भीड़ लगी रही। इस दौरान वार्ड पार्षद सलाउद्दीन उर्फ संजू स्वयं मौके पर मौजूद रहे और लोगों को फॉर्म भरने में सहयोग करते हुए पूरी प्रक्रिया को सुचारु रूप से संपन्न कराने में जुटे रहे। पार्षद के सहयोगी मोहम्मद इमरान उर्फ सोनू भी पूरे समय लोगों का मार्गदर्शन करते और आवश्यक दस्तावेजों की जांच में व्यस्त दिखाई दिए। उनकी सक्रियता से फॉर्म भरवाने पहुंचे लोगों को काफी सुविधा मिली और लंबी कतारों के बावजूद प्रक्रिया व्यवस्थित ढंग से चलती रही।स्थानीय लोगों ने पार्षद सलाउद्दीन उर्फ संजू के सहयोग की सराहना करते हुए कहा कि उनकी मौजूदगी और सक्रिय पहल से उन्हें बिना किसी परेशानी के फॉर्म भरने में मदद मिली। लोगों ने उम्मीद जताई कि आगे भी इसी तरह जनहित के कार्यों में वार्ड प्रशासन का सहयोग मिलता रहेगा।

प्रेमिका को सोने की चेन दिला रहा था पति,पत्नी ने रंगे हाथों दबोचा

रांचीः राजधानी के सबसे व्यस्ततम इलाकों में से एक अलबर्ट एक्का चौक अचानक कुरुक्षेत्र में तब्दील हो गया। यहां उस समय भारी अफरा-तफरी मच गई, जब एक महिला ने अपने पति को उसकी कथित प्रेमिका के साथ रंगे हाथों पकड़ लिया। हाई वोल्टेज ड्रामे की वजह कोई मामूली बात पर नहीं हो रही थी।

आरोप है कि पति अपनी प्रेमिका को एक महंगी सोने की चेन गिफ्ट कर रहा था। भड़की पत्नी ने बीच सड़क पर ही दोनों की क्लास लगा दी, जिसके बाद वहां घंटों तमाशा चलता रहा। पीसीआर एक और ट्रैफिक पुलिस के हस्तक्षेप के बाद मामला शांत करा दोनों पक्षों को वहां से भेजा गया।चश्मदीदों के मुताबिक, आरोपी पति अपनी कथित प्रेमिका को एक दुकान से सोने की चेन दिलाकर बाहर निकला था। वह इस बात से बिल्कुल बेखबर था कि उसकी पत्नी काफी समय से उसका पीछा कर रही थी। जैसे ही दोनों अलबर्ट एक्का चौक के पास पहुंचे, पत्नी ने उन्हें घेर लिया। पति के हाथ में प्रेमिका के लिए लिया गया गिफ्ट देखते ही पत्नी का पारा सातवें आसमान पर पहुंच गया। उसने सरेराह चिल्लाना शुरू कर दिया, घर में खर्च के पैसे नहीं हैं और यहां सोने की चेन बांटी जा रही है। वीकेंड होने के कारण मेन रोड में पहले से ही लोगों की भारी आवाजाही थी। इस पारिवारिक विवाद को सड़क पर आता देख देखते ही देखते सैकड़ों लोगों की भीड़ जमा हो गई।

झारखंड : जनगणना पदाधिकारियों के तबादले पर मार्च 2027 तक रोक

रांची : झारखंड में जनगणना 2027 के लिए नियुक्त जनगणना पदाधिकारियों के तबादले पर 31 मार्च 2027 तक के लिए रोक लगा दी गयी है। राज्य सरकार ने इससे संबंधित आदेश सभी प्रमंडलीय आयुक्तों और उपायुक्तों को भेज दिया है।

सरकार की ओर से भेजे गये आदेश में कहा गया है कि केंद्रीय गृह सचिव ने 31 मार्च 2027 तक जनगणना पदाधिकारियों के तबादले नहीं करने का आदेश दिया है। राज्य में भारत की जनगणना 2027 के लिए जनगणना पदाधिकारियों को नियुक्त किया गया है। इनका तबादला 31 मार्च 2027 तक नहीं करना है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन द्वारा जारी निर्देश के तहत राज्य की प्रशासनिक सीमाओं (जिला, प्रखंड, पंचायत की सीमा) में भी 31 मार्च 2027 तक कोई बदलाव नहीं किया जायेगा। रोक का आदेश केंद्रीय गृह मंत्रालय और जनगणना निदेशालय के निदेर्शों के तहत जनगणना अधिनियम, 1948 के अंतर्गत लागू किया गया है।

जरूरतमंदो की सेवा में समर्पित मिशन समृद्धि संस्था द्वारा संचालित समृद्धि की रोटी अभियान

मेट्रोरेज संवाददाता

मेदिनी नगरः निष्ठा के साथ किया गये कार्य में ईश्वर का आशीर्वाद शामिल होता है। मिशन समृद्धि संस्था द्वारा संचालित समृद्धि की रोटी अभियान इसी का एक हिस्सा है। टीम का समर्पण इस कार्य में पूर्ण रुप से दिखता है। नागरिकों का सहयोग इस अभियान का रीढ है। इस संस्था की प्रबंधक अहिल्या गिरि का कहना है कि दोना पत्तल दातुन बेचने वालों और शनि मंदिर परिसर और जरूरतमंद राहगीरों के बीच हमारी संस्था भोजन वितरण करती है लेकिन अंबेडकर पार्क के सामने दोना पत्तल बेचने वालों के बीच भोजन देना आत्मिक सुकून देता है। पलामू के पारम्परिक हुनर तथा पत्तल में खाना सुपाच्य भी माना जाता है इसे बरकरार रखने वालों का ख्याल रखना भी हमारा कर्तव्य है जिसे हम पालन करने की कोशिश करते हैं।कम पैसों में सामान बेचकर भी ये लोग संतुष्ट रहते हैं और हम इनके थोड़ा-बहुत सेवा कर अपने कर्तव्य का निर्वहन कर समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी दर्ज करते हैं।रोटी देने वाले परिवारों का अभिनंदन है।बैजन्ती गुप्ता आशा शर्मा वीणा राज रंजीता शिल्पी गोस्वामी बेबी पाण्डेय शीला गोस्वामी ममता अन्य सभी सदस्यों का सहयोग प्रसंशनीय है।

रांची में दो घंटे की बारिश में सड़कें बनीं तालाब, घरों में घुसा पानी

संवाददाता

रांचीः झारखंड की राजधानी रांची में शनिवार दोपहर हुई मूसलाधार बारिश ने नगर निगम की जल निकासी व्यवस्था की पोल खोल दी। करीब डेढ़ से दो घंटे की तेज बारिश के बाद शहर की कई प्रमुख सड़कें तालाब में तब्दील हो गयीं। कई इलाकों में दो से तीन फीट तक पानी भर गया, जिससे वाहन चालकों को सड़क और गड्ढों का अंदाजा लगाना मुश्किल हो गया। जलजमाव के कारण कई वाहन बीच सड़क पर बंद हो गये और जगह-जगह लंबा जाम लग गया। काली टावर, लालपुर, जयपाल सिंह स्टेडियम, बकरी बाजार, सेवा सदन पथ और लाइन टैंक तालाब के पास सबसे अधिक परेशानी देखने को मिली। करीब एक घंटा तक यातायात प्रभावित रहा। बाद में पानी कम होने पर स्थिति सामान्य हो सकी।

डीएसपीएमयू ने जारी की स्नातक नामांकन की दूसरी प्रोविजनल मेरिट लिस्ट, 20-23 तक काउंसलिंग

संवाददाता

रांची : डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय (डीएसपीएमयू), रांची ने स्नातक के विभिन्न पारंपरिक एवं व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में नामांकन के लिए वर्तमान सत्र की द्वितीय प्रोविजनल (औपबंधिक) प्रवेश सूची विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर जारी कर दी है। इस सूची के आधार पर चयनित अभ्यर्थियों का नामांकन 20 जुलाई से 23 जुलाई 2026 तक आयोजित होने वाली दूसरी चरण की काउंसलिंग के माध्यम से किया जाएगा।

विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ राजीव मनोहर ने बताया कि जिन अभ्यर्थियों का नाम दूसरी प्रवेश सूची में शामिल है, उन्हें निर्धारित तिथियों के दौरान अपने सभी मूल प्रमाण पत्र एवं आवश्यक दस्तावेजों के साथ संबंधित विभाग में उपस्थित होकर नामांकन प्रक्रिया पूरी करनी होगी। उन्होंने सभी चयनित छात्रों से पूर्वाह्न 10:30 बजे संबंधित विभाग में अनिवार्य रूप से उपस्थित होने की अपील की है।

कुलपति ने बताया कि प्रथम चरण की काउंसलिंग में बड़ी संख्या में छात्रों ने नामांकन कराया, लेकिन कुछ अभ्यर्थी विभिन्न कारणों से नामांकन नहीं ले सके। ऐसे विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय ने एक और अवसर देते हुए 24 जुलाई 2026 को पूर्वाह्न 11 बजे संबंधित विभाग में उचित कारण एवं आवश्यक प्रमाण पत्रों के साथ उपस्थित होकर नामांकन कराने की अनुमति दी है। हालांकि, यह सुविधा संबंधित विभाग में सीट उपलब्ध होने की स्थिति में ही मिलेगी। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि द्वितीय और तृतीय चरण की काउंसलिंग पूरी होने के बाद खेल कोटा के तहत प्रवेश लेने वाले अभ्यर्थियों के प्रमाण पत्रों का सत्यापन 28 एवं 29 जुलाई 2026 को विश्वविद्यालय परिसर में किया जाएगा।

विद्यार्थियों की सुविधा के लिए सभी पारंपरिक एवं व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की अद्यतन शुल्क सूची भी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध करा दी गई है। विश्वविद्यालय के आईटी इंचार्ज डॉ अनुपम कुमार ने बताया कि दूसरी काउंसलिंग सूची में विभिन्न विषयों के दिव्यांग श्रेणी के चयनित अभ्यर्थियों के नाम भी शामिल हैं। ऐसे अभ्यर्थी अपने श्रेणी से संबंधित आवश्यक प्रमाण पत्रों का सत्यापन कर संबंधित विभाग में नामांकन सुनिश्चित कर सकते हैं। यह जानकारी विश्वविद्यालय के जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ। राजेश कुमार सिंह ने दी।

इनर व्हील क्लब ऑफ संजीवनी रांची का द्वितीय शपथ ग्रहण समारोह आयोजित

डॉ अंजना वर्मा बनीं अध्यक्ष, 26-27 के चयनित पदधारियों ने ली शपथ

मेट्रो रेज

रांचीः इनर व्हील क्लब ऑफ संजीवनी, रांची (डिस्ट्रिक्ट 325) का इंस्टॉलेशन सेरेमनी शनिवार को राजधानी रांची के मेन रोड स्थित एवीएन ग्रैंड होटल में संपन्न हुआ। समारोह की मुख्य अतिथि पीडीसी पूनम प्रकाश थीं। विशेष अतिथियों के रूप में डिस्ट्रिक्ट सेक्रेटरी नीता नारायण, सीजीआर माला श्रीवास्तव एवं इनर व्हील क्लब ऑफ स्वर्णरेखा की सदस्याओं की उपस्थिति रही।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं इनर व्हील प्रार्थना के साथ हुआ। इसके पश्चात वर्ष 2026-27 के लिए नई कार्यकारिणी ने पद एवं गोपनीयता की शपथ लेकर कार्यभार ग्रहण किया।

नई कार्यकारिणी में अध्यक्ष डा अंजना वर्मा, उपाध्यक्ष पूनम यादव, सचिव तनुजा अधिकारी, कोषाध्यक्ष अमिता अग्रवाल, आईएसओ वर्तिका तथा एडिटर डॉ। शैल सिंह ने अपने-अपने दायित्व ग्रहण किए।

अपने अध्यक्षीय संबोधन में डॉ। अंजना वर्मा ने कहा कि क्लब आने वाले वर्ष में महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण एवं सामाजिक सेवा के क्षेत्र में विभिन्न जनकल्याणकारी परियोजनाओं का संचालन करेगा। वहीं,

मुख्य अतिथि पूनम प्रकाश ने नई टीम को शुभकामनाएं देते हुए इनर व्हील की मूल भावना 'फ्रेंडशिप एंड सर्विस' (मित्रता व सेवा) को आगे बढ़ाने का संदेश दिया।

कार्यक्रम के सफल संचालन में क्लब के सभी सदस्यों का योगदान सराहनीय रहा। धन्यवाद ज्ञापन के उपरांत राष्ट्रगान से समारोह का समापन हुआ। इस अवसर पर इनर व्हील क्लब ऑफ संजीवनी रांची की सदस्य गण उपस्थित थीं।

अज्ञात वृद्ध महिला की पहचान कराने को लेकर आमजन से सहयोग की अपील

मेदिनी नगरः 18 जुलाई 2026 को सूचना प्राप्त हुई कि एक वृद्ध महिला विगत दो दिनों से हरिहरगंज टोल प्लाजा के समीप असहाय अवस्था में रह रही हैं। वह अपनी पहचान, पता अथवा परिजनों के संबंध में कोई जानकारी देने में असमर्थ थीं। सूचना मिलते ही उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी के निर्देश पर जिला प्रशासन एवं हरिहरगंज थाना की टीम ने तत्काल महिला को सुरक्षित संरक्षण में लिया। उनसे उनकी पहचान एवं परिजनों के संबंध में जानकारी प्राप्त करने का हरसंभव प्रयास किया गया। साथ ही आसपास के थानों से भी संपर्क स्थापित कर उनकी पहचान सुनिश्चित करने की कोशिश की गई, किंतु अब तक कोई जानकारी प्राप्त नहीं हो सकी है। महिला की सुरक्षा एवं समुचित देखभाल को प्राथमिकता देते हुए उन्हें वन स्टॉप सेंटर, डाल्टनगंज में रखा गया है, जहां उनके रहने, भोजन एवं आवश्यक देखभाल की समुचित व्यवस्था जिला प्रशासन द्वारा सुनिश्चित की गई है। जिला प्रशासन, पलामू आम नागरिकों से अपील करता है कि यदि कोई व्यक्ति इस महिला को पहचानता हो अथवा इनके परिवार, निवास स्थान या परिजनों के संबंध में कोई भी जानकारी रखता हो, तो कृपया तत्काल हरिहरगंज थाना अथवा जिला प्रशासन को सूचित करें।

झारखण्ड सरकार
कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, हजारीबाग

ई– अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना

ई–निविदा सं0 :– RDSPL/SD/HZB/16/2026-27
1.कार्य की विस्तृत विवरणी:

ग्रुप सं0	आईडेन्टीफिकेशन संख्या/पैकेज संख्या	प्रखण्ड	योजना का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1.	RDSPL/SD/HZB/16/2026-27	बड़कागांव	बड़कागांव प्रखण्ड के सांढ पंचायत स्थित ग्राम होरम सिवाडीह मुख्य पथ से (बिरेन्द्र पाण्डेय के घर होते हुए) तक गार्डवाल एवं पीसीसी पथ निर्माण।	24944047.00	498900.00	10000.00	09 माह

2. वेबसाइट में निविदा प्रकाशन की तिथि – 24.07.2026
3. ई–निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय – दिनांक 24.07.2026 से दिनांक 31.07.2026 को अपराह्न 5:00 बजे तक
4. ई–निविदा खोलने का स्थान – कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, हजारीबाग
5. ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय –01.08.2026 अपराह्न 5:00 बजे
6. ई–निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, हजारीबाग
7. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं० – 9430154808
8. परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है तदनुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
9. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
10.निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी।

विस्तृत जानकारी के लिये वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल,हजारीबाग

PR 385239 Rural Development(26-27).D

कैसे काम करती है बुलेट प्रूफ जैकेट?

कभी न कभी कहीं न कहीं आपने बुलेट प्रूफ जैकेट के बारे में जरूर सुना होगा। आपने फिल्मों में इसे देखा होगा या फिर किसी आर्मी या पुलिस अफसर को इसे पहनते हुए भी देखा होगा। लेकिन क्या आपको पता है कि ये जैकेटें क्यों प्रयोग की जाती हैं? और अगर आप एक बुलेट प्रूफ जैकेट खरीदना चाहते हैं, तो आपको कितने पैसे खर्च करने पड़ेंगे। अगर नहीं तो चलिए आज हम आपको बताने वाले हैं। बुलेट प्रूफ जैकेट का काम क्या होता है? बुलेटप्रूफ जैकेट व्यक्ति को पिस्तौल या बंदूक से चली गई गोली से हानि होने से बचाती है। दरअसल इसे मुख्य रूप से पुलिस, सैनिकों और अन्य सुरक्षा कर्मियों द्वारा प्रयोग किया जाता है, जो बड़े खतरे में होते हैं और जिन्हें ऐसी घटनाओं से बचने की आवश्यकता होती है। इसके अलावा, विशेषज्ञों, नेताओं और देश के अन्य महान व्यक्तियों को भी ऐसी विकट स्थितियों में इस्तेमाल करने की सलाह दी जाती हैं।

गोली को कैसे रोकती है यह जैकेट?

वास्तव में, जब बुलेट जैकेट का सामना किसी गोली से होता है, तो उस गोली जैकेट के कड़क हिस्से में प्रवेश करती है। यह गोली की नुकीली त्वचा के नीचे वितरित हो जाती है और इससे गोली की स्पीड में कमी आ जाती है, जिससे उसका प्रभाव कम हो जाता है। साथ ही, जैकेट के नुकीले हिस्से में आने वाली गोली को रोकने के लिए बैलिस्टिक प्लेट का उपयोग किया जाता है। जिससे जैकेट पहने व्यक्ति को किसी भी प्रकार का नुकसान नहीं होता।

बुलेट प्रूफ जैकेट की कीमत कितनी होती है?

जानकारी के अनुसार बुलेट प्रूफ जैकेट की कीमत 40 हजार रुपये से शुरू होती है और 2 लाख तक की भी हो सकती है, जो उसकी गुणवत्ता और प्रकार पर निर्भर करती है। इसके अतिरिक्त, आजकल एडवांस्ड जैकेट भी उपलब्ध हैं जो काफी हल्की होती हैं। इसके अलावा, जब कोई बुलेट प्रूफ जैकेट पहने व्यक्ति को गोली लगती है, तो उसे उस इम्पैक्ट का एहसास होता है जैसे कोई उसे धक्का दे दिया हो, हालांकि इससे व्यक्ति को किसी भी तरह का नुकसान नहीं होता।

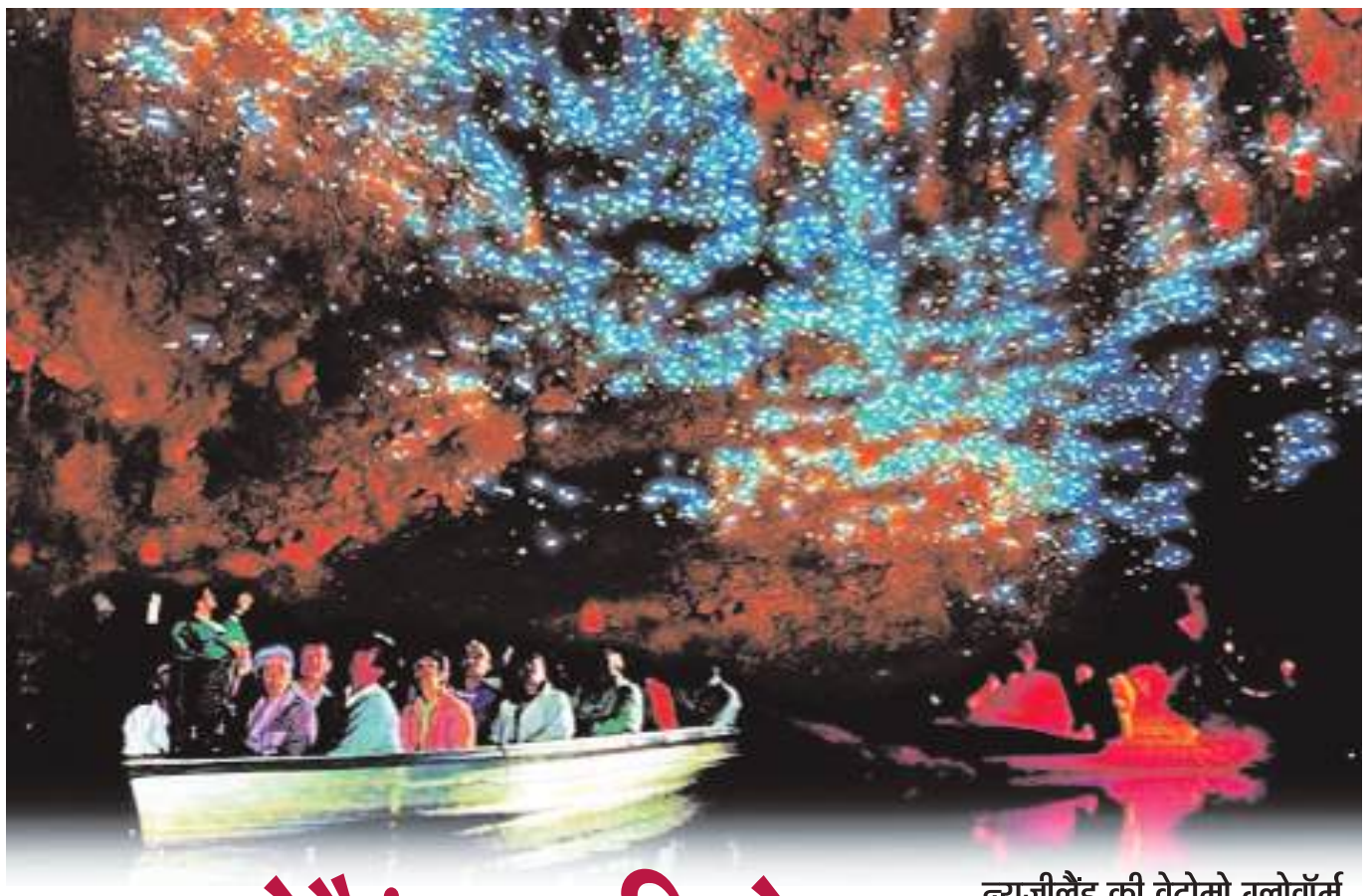

एराक्नोकैंपा ल्युमिनोसा नामक ग्लोवॉर्म से चमकती हैं वेटोमो ग्लोवॉर्म गुफाएं

न्यूजीलैंड की वेटोमो ग्लोवॉर्म गुफा ऐसी नजर आती है, जैसे तारों से जगमगाता आसमान। दरअसल यहां एराक्नोकैंपा ल्युमिनोसा नामक ग्लोवॉर्म पाए जाते हैं। ये जीव एक रासायनिक प्रक्रिया करते हैं, जिससे रोशनी पैदा होती है। यह रोशनी अपने शिकार को आकर्षित करने के लिए होती है। इस दौरान यह सिल्क जैसे लंबे जाल बुनते हैं ताकि इसमें फंसने वाले जीवों का शिकार कर सकें। ये जीव जितने ज्यादा भूखे होते हैं उतनी ज्यादा रोशनी पैदा करते हैं। इसे देखने के लिए यहां पर्यटकों का तांता लगा रहता है।

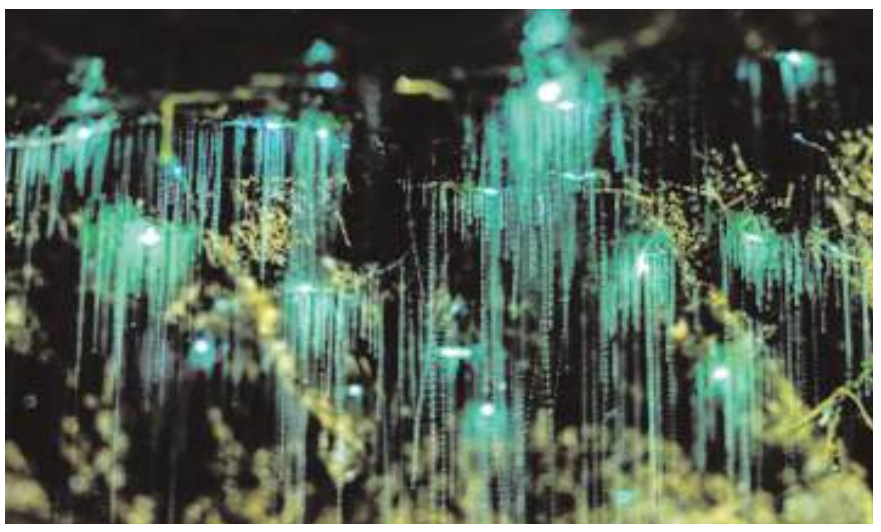

क्या आप प्रागैतिहासिक गुफाओं के माध्यम से एक स्वप्निल सवारी करना चाहते हैं जो एक परी कथा की दुनिया से मिलती जुलती है? न्यूज़ीलैंड में वेटोमो ग्लोवॉर्म गुफाये किसी चित्र पोस्टकार्ड से कम नहीं दिखता, उत्तरी द्वीप के वेटोमो क्षेत्र में मंद रोशनी वाली और चमकते कीड़ों द्वारा आश्चर्यजनक रूप से सजाई गई है। चूना पत्थर की गुफाएँ ऑकलैंड के दक्षिण से घुमावदार पहाड़ियों के नीचे 2 घंटे की दूरी पर हैं।
न्यूजीलैंड की ग्लोवॉर्म गुफाएं अनोखी हैं, जिन्हें कुदरत का चमत्कार कहना गलत नहीं होगा, क्योंकि इनकी छतें रात के अंधेरे में तारों से रोशन आसमान की तरह दिखती हैं. इसी वजह से ये गुफाएं दुनियाभर में फेमस हैं. बड़ी संख्या में लोग इनको देखने के लिए आते हैं. अब इन गुफाओं से जुड़ा एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें आप गुफा के अंदर का जादुई नजारा देख कर हैरान रह जाएंगे.
सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पहले ट्विटर) पर ये वीडियो पोस्ट किया है, जिसके कैप्शन में बताया गया है कि, 'न्यूजीलैंड में वेटोमो ग्लोवॉर्म गुफाएं हजारों छोटे बायोलुमिनसेंट जीवों प्राणियों के साथ अपनी छत की चमक के साथ एक अनोखा अनुभव प्रदान करती हैं. इन गुफाओं के अंदर का नजारा तारों से भरी रात की तरह लगता है.'

कहां हैं ये गुफाएं?

रिपोर्ट के अनुसार, ग्लोवॉर्म गुफाएं न्यूजीलैंड के वेटोमो गांव में स्थित है. ये टोमो गुफाओं में सबसे प्रसिद्ध हैं, जो 130 से अधिक सालों से पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र रही हैं.

गुफा की छतें चमकने का रहस्य?

रिपोर्ट के अनुसार, ग्लोवॉर्म गुफाएं एक कीड़े की वजह से चमकती हैं, जो छतों पर बड़ी संख्या में पाए जाते हैं. इस कीड़े का नाम एराचनोकैम्पा ल्यूमिनोसा है, जिसे न्यूजीलैंड ग्लोवॉर्म के नाम से भी जाना जाता है. ये कीड़े मच्छरों की तरह दिखते हैं और परिपक्व होने पर मक्खियों में बदल जाते हैं. जुगनू की तरह प्रकाश उत्सर्जित करने में सक्षम ये कीड़ा न्यूजीलैंड में ही पाया जाता है.
ग्लोवॉर्म गुफाएं प्रकृति की बेहतरीन रचना हैं जो समय के साथ पुरानी हो गई हैं और विशिष्टता प्राप्त कर चुकी हैं। बहुत सारे पर्यटक भूमिगत गुफा में नौकायन और कयाकिंग सत्र का आनंद लेते हैं। चमकते कीड़ों के नीचे तैरते हुए एक तारों भरी रात बिताएं और चमकते कीड़ों द्वारा आकर्षक बनाए गए गुफा के मंद-रोशनी वाले वातावरण को देखकर आश्चर्यचकित हो जाएं।
किंवदंतियों के अनुसार वेटोमो ग्लोवॉर्म गुफाएं लगभग 30 मिलियन वर्ष पुरानी हैं। समय के साथ, समुद्र के तल पर स्थित ये चूना पत्थर की गुफाएँ खराब हो गई हैं और हल्की रोशनी के साथ आकर्षण बढ़ा रही हैं, जिससे सुंदर भूमिगत गुफाएँ जगमगा रही हैं, जिसने दुनिया भर से पर्यटकों को आकर्षित किया है।

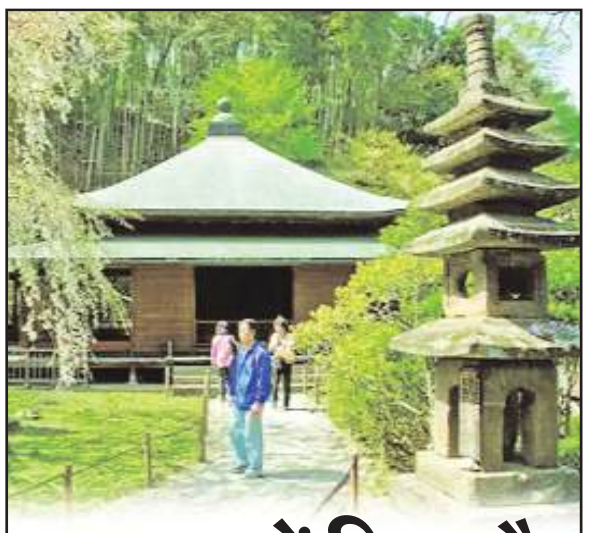

जापान में स्थित है 600 साल पुराना तलाक मंदिर

दुनिया में ऐसे कई मंदिर है जिनकी अपनी अलग ही एक पहचान होती है। हालांकि हर मंदिर की अपनी एक विशेषता होती है लेकिन कुछ मंदिरों में अलग मान्यताओं के चलते उनको एक विशेष दर्जा दिया जाता हैं। आज ऐसे ही एक मंदिर के बारे में हम आपको बताने जा रहे हैं। सनातन धर्म में मंदिरों का अपना एक विशेष महत्व है। वहीं हम सनातन धर्म की बात करें तो हर मंदिर के अपने-अपने नियम और कानून होते हैं, जिससे वे दुनिया भर में मशहूर होते हैं। दरअसल मंदिरों के जरिए ही अपने अपने कल्चर को सुरक्षित हर धर्म द्वारा रखा जाता हैं। वहीं अपने जीवन में आपने कई ऐसे मंदिरों के बारे में सुना होगा जहां अपनी-अपनी मान्यताएं है। आज ऐसे ही एक मंदिर के बारे में हम आपको बताने जा रहे हैं।

'तलाक मंदिर' की अपनी एक खास पहचान

दरअसल आज हम आपको एक ऐसे मंदिर के बारे में बताने जा रहे हैं। जिसकी अपनी एक खास पहचान हैं। दरअसल इसे 'तलाक मंदिर' के नाम से ही जाना जाता हैं। आपको बता दें कि यह मंदिर जापान में स्थित है और इसे उसके अजीब इतिहास के लिए विख्यात माना जाता है। दरअसल यदि आप इसका नाम सुनकर यह सोच रहे होंगे की शायद इस मंदिर में तलाक करवाए जाते होंगे तो ऐसा नहीं हैं, यहां तलाक नहीं होते और न ही किसी देवी-देवता की पूजा की जाती है।

क्या है इस मंदिर की विशेषता?

आपको बता दें तलाक मंदिर, जिसे विशेष रूप से 'मात्सुगाओका टोकेई-जी के नाम से भी जाना जाता है, 12वीं और 13वीं शताब्दी की शुरुआत में जापान में बनाया गया था। मान्यताओं के अनुसार इस मंदिर का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को आध्यात्मिक दृष्टिकोण से सशक्त करना था, क्योंकि उस समय महिलाओं की सामाजिक स्थिति बहुत ही कमजोर थी और उनके अधिकारों में भी बड़ी असमानता थी। जापान के समाज में 12वीं और 13वीं शताब्दी में सिर्फ पुरुषों के लिए तलाक की व्यवस्था थी, जिसके अनुसार पुरुष आसानी से अपनी पत्नी को तलाक दे सकते थे। इस दौरान वे महिलाएं जिन्हें शादी में खुशी नहीं मिली या घरेलू हिंसा की सामना कर रही थीं, उनके लिए एक समर्थन संरचना की आवश्यकता थी। 1285 में, बौद्ध नन काकुसान शिदो-नी ने तलाक मंदिर की स्थापना की, जो उन महिलाओं को आश्रय और सहायता प्रदान करने के लिए था जो संघर्ष कर रही थीं। यहां, वे अपने जीवन को आध्यात्मिकता में समर्पित करके बिताती थीं।

ये है दुनिया का सबसे छोटे दिल वाला पक्षी एक सिक्के से भी हल्का होता है इनका शरीर!

आपको जानकर हैरानी होगी कि कनाडा में टोरंटो स्थित रॉयल ओंटेरियो म्यूजियम में एक ब्लू व्हेल का दिल रखा हुआ है, जिसका वजन करीब 190 किलोग्राम है. पर क्या आप जानते हैं कि ऐसा कौन सा पक्षी है, जिसके पास दुनिया का सबसे छोटा दिल है?

दुनिया में अलग-अलग साइज और वजन के पशु-पक्षी होते हैं. कोई मोटा होता है तो कोई पतला, कोई भारी होता है तो कोई बहुत ही हल्का. व्हेल तो आपने देखा ही होगा. ये दुनिया के सबसे बड़े और वजनदार जीवों में से एक होते हैं. आपको जानकर हैरानी होगी कि एक व्हेल का दिल कार के बराबर लंबा-चौड़ा और काफी वजनदार होता है. कनाडा में टोरंटो स्थित रॉयल ओंटेरियो म्यूजियम में एक ब्लू व्हेल का दिल रखा हुआ है, जिसका वजन करीब 190 किलोग्राम है. पर क्या आप जानते हैं कि ऐसा कौन सा पक्षी है, जिसके पास दुनिया का सबसे छोटा दिल है? तो चलिए जानते हैं कि इस पक्षी के बारे में कुछ रोचक बातें, जो शायद ही आप जानते होंगे.
दुनिया में अलग-अलग साइज और वजन के पशु-पक्षी होते हैं. कोई मोटा होता है तो कोई पतला, कोई भारी होता है तो कोई बहुत ही हल्का. व्हेल तो आपने देखा ही होगा. ये दुनिया के सबसे बड़े और वजनदार जीवों में से एक होते हैं. आपको जानकर हैरानी होगी कि एक व्हेल का दिल कार के बराबर लंबा-चौड़ा और काफी वजनदार होता है. कनाडा में टोरंटो स्थित रॉयल ओंटेरियो म्यूजियम में एक ब्लू व्हेल का दिल रखा हुआ है, जिसका वजन करीब 190 किलोग्राम है. पर क्या आप जानते हैं कि ऐसा कौन सा पक्षी है, जिसके पास दुनिया का सबसे छोटा दिल है? तो चलिए जानते हैं कि इस पक्षी के बारे में कुछ रोचक बातें, जो शायद ही आप जानते होंगे. दुनिया के सबसे छोटे दिल वाले पक्षी का नाम है हमिंगबर्ड, जिसे दुनिया का सबसे छोटा पक्षी भी कहा जाता है. आपको जानकर हैरानी होगी कि एक हमिंगबर्ड आमतौर पर महज 2-2.5 इंच ही लंबी होती है. हालांकि कुछ 8 इंच भी लंबी होती हैं और इनके वजन की अगर बात करें तो एक हमिंगबर्ड महज दो ग्राम से लेकर 20 ग्राम तक की होती है. अब आप समझ सकते हैं कि इनका दिल कितना छोटा होता होगा.
दुनिया के सबसे छोटे दिल वाले पक्षी का नाम है हमिंगबर्ड, जिसे दुनिया का सबसे छोटा पक्षी भी कहा जाता है. आपको जानकर हैरानी होगी कि एक हमिंगबर्ड आमतौर पर महज 2-2.5 इंच ही लंबी होती है. हालांकि कुछ 8 इंच भी लंबी होती हैं और इनके वजन की अगर बात करें तो एक हमिंगबर्ड महज दो ग्राम से लेकर 20 ग्राम तक की होती है. अब आप समझ सकते हैं कि इनका दिल कितना छोटा होता होगा.
कहते हैं कि हमिंगबर्ड खड़े-खड़े ही सो लेती है. दरअसल, इनके पैर बहुत ही कमजोर होते हैं, इसलिए ये चल नहीं पातीं, लेकिन अपने पैरों से ये पेड़ की टहनियों को मजबूती से पकड़ कर खड़े-खड़े सो जरूर जाती हैं. एक हमिंगबर्ड की उम्र करीब 4-5 साल ही होती है. आपको शायद ही ये पता हो कि यह चिड़िया हर 10 मिनट में कुछ न कुछ खाती या पीती है. वहीं, इनकी सबसे बड़ी खासियत ये है कि ये अपने पंखों को इतनी तेजी से फड़फड़ाती हैं कि एक ही जगह पर काफी देर तक रूकी रह सकती हैं, जिस तरह कोई हेलीकॉप्टर अपने पंखों के सहारे एक ही जगह पर रूका रह सकता है. वैसे कहने के लिए तो ये दुनिया के सबसे छोटे पंछी होते हैं, लेकिन लंबी दूरी के सफर के मामले में इनका मुकाबला कोई नहीं कर सकता. हमिंगबर्ड एक उड़ान में करीब 1400 मील यानी 2253 किलोमीटर का सफर तय कर सकती हैं.

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in
email : metrorays.ranchi@gmail.com

सहायक शिक्षक को दी गई भावभीनी विदाई शिक्षा क्षेत्र में उनके योगदान को किया याद

संवाददाता

साहिबगंज/उधवाः उधवा प्रखंड अंतर्गत यूपीएस गड़ल्ली में शनिवार को सेवानिवृत्त सहायक शिक्षक मो। सेराजुल हक के सम्मान में विदाई एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शिक्षकों, शिक्षा विभाग के अधिकारियों तथा गणमान्य लोगों ने उनके लंबे शैक्षणिक योगदान को याद करते हुए भावभीनी विदाई दी। समारोह के दौरान उपस्थित शिक्षकों ने मो। सेराजुल हक को पुष्पमाला पहनाकर, शॉल ओढ़ाकर तथा स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। वक्ताओं ने कहा कि उन्होंने अपने सेवाकाल में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास और विद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके सौम्य व्यवहार, ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा ने उन्हें सहकर्मियों के बीच एक अलग पहचान दिलाई।जानकारी के अनुसार, मो। सेराजुल हक ने वर्ष 2003 में पारा शिक्षक के रूप में अपनी शैक्षणिक सेवा की शुरूआत की थी। बाद में सहायक शिक्षक के रूप में उन्होंने वर्षों तक विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की। बीते 31 मई को वे सरकारी सेवा से सेवानिवृत्त हुए। इस अवसर पर बीपीओ अटल बिहारी भगत ने कहा कि सेवानिवृत्ति सरकारी सेवा का स्वाभाविक पड़ाव है, लेकिन कर्मठ और समर्पित शिक्षकों का योगदान हमेशा याद रखा जाता है। उन्होंने मो। सेराजुल हक के स्वस्थ, सुखद और सम्मानपूर्ण जीवन की कामना की। कांग्रेस के जिला महासचिव ऐनुल हक अंसारी ने कहा कि मो। सेराजुल हक ने पूरी सेवा अवधि में ईमानदारी, सादगी और मिलनसार व्यक्तित्व का परिचय दिया। उनके कार्य और व्यवहार से आने वाली पीढ़ी के शिक्षकों को प्रेरणा मिलती रहेगी। अपने संबोधन में मो। सेराजुल हक ने सभी सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सरकारी सेवा भले समाप्त हो गई हो, लेकिन शिक्षा और समाज के प्रति उनका दायित्व आगे भी जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि अवसर मिलने पर वे विद्यार्थियों और समाज के हित में हमेशा सकारात्मक योगदान देने का प्रयास करेंगे।कार्यक्रम का संचालन शिक्षक मो। साईम शेख ने किया। समारोह में पूर्व बीआरपी बैद्यनाथ ठाकुर, बीआरपी समसुल कबीर, इंतखाब आलम, सीआरपी बाबूलाल मंडल, अशोक पाल, विजय मंडल, द्विजेंद्र मंडल, बासुदेव मंडल, जिब्राईल अली, इरफान अली, हुमायूं कबीर, अब्दुल रज्जाक, नव कुमार सिन्हा, बदरूद्दीन शेख, अताउर रहमान सहित बड़ी संख्या में शिक्षक एवं गणमान्य लोग उपस्थित थे।

देवघर जय श्री राम युवा एकता ग्रुप ने किया पौधरोपण, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

संवाददाता

देवघर : देवघर स्थित नंदन पहाड़ में जय श्री राम युवा एकता ग्रुप द्वारा पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर 11 पौधे रोपकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। ग्रुप के अध्यक्ष दयानंद कुमार ने बढ़ती गर्मी और ग्लोबल वार्मिंग को देखते हुए समस्त देशवासियों से इस वर्षा ऋतु में कम से कम एक-एक पौधा लगाने और उसकी देखभाल करने का आग्रह किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि चिल्ड्रन एकेडमी के प्रधानाध्यापक किशोर बरनवाल ने पीपल का पौधा लगाकर किया। जिला बल के जवान मुन्ना पासवान ने युवाओं का उत्साहवर्धन करते हुए अधिक से अधिक पौधे लगाने की अपील की। दीपक मंडल ने पर्यावरण संरक्षण के लिए युवाओं से एकजुट होकर कार्य करने का संदेश दिया, जबकि बलराम मंडल ने ग्लोबल वार्मिंग के बढ़ते खतरे पर अपने विचार रखे।

रविकांत ठाकुर और रोहित कुमार ने बच्चों एवं आम लोगों से पौधों की रक्षा करने की अपील की। किशन मंडल और परमानंद कुमार ने कहा कि प्रत्येक कोचिंग संस्थान को भी नियमित रूप से पौधरोपण अभियान चलाना चाहिए। चंदन मंडल, अशीष बरनवाल, छोटू मडल, विनोद मंडल, कंचन मंडल, अभिनंदन कुमार, रवि कुमार, गौतम राणा, राजनंदन कुमार, सत्यम कुमार, विद्यानंद कुमार, प्रीतम कुमार, पंचानंद कुमार, कृष्ण कुमार, पवन कुमार, आलोक कुमार सहित बड़ी संख्या में युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर इस पर्यावरण संरक्षण अभियान को सफल बनाया।

न्यूज IN ब्रीफ

नकली पुलिस बनकर महिला दुकानदार से वसूली का प्रयास, धमकी

मसलियाः मसलिया थाना क्षेत्र के पाटनपुर गांव में शनिवार को खुद को पुलिसकर्मी बताकर एक महिला दुकानदार से कथित रूप से वसूली करने और धमकाने के आरोप में दो युवकों को ग्रामीणों ने पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। ग्रामीणों की सतर्कता और मसलिया पुलिस की त्वरित कार्रवाई से दोनों संदिग्धों को पुलिस कब्जे में लिया गया। जानकारी के अनुसार, दोनों युवक चारपहिया वाहन से गांव पहुंचे और स्वयं को देवघर जिले की पुलिस का जवान बताकर एक विधवा महिला दुकानदार एवं उसके पुत्र से पूछताछ करने लगे। महिला के पुत्र निरंजन को उन पर उस समय संदेह हुआ, क्योंकि कुछ माह पहले भी नकली पुलिस बनकर कुछ बदमाशों ने उनके यहां लूटपाट की घटना को अंजाम दिया था। संदेह होने पर निरंजन ने मोबाइल से दोनों का वीडियो बनाना शुरू किया। कैमरा देखते ही दोनों युवक पुलिसिया रौब दिखाने लगे, जिससे उनका शक और गहरा गया। इसी बीच घर के एक सदस्य ने गुप्त रूप से मसलिया थाना पुलिस को घटना की सूचना दे दी। सूचना मिलते ही मसलिया थाना पुलिस मौके पर पहुंची। तब तक ग्रामीणों ने दोनों संदिग्धों को पकड़कर भागने से रोक रखा था। पुलिस ने दोनों युवकों को कब्जे में लेकर थाना पहुंचाया। मामले की वस्तुस्थिति स्पष्ट करने के लिए सीमा गोराई को भी पूछताछ हेतु थाना बुलाया गया है। घटना के बाद गांव में तरह-तरह की चर्चाएं हैं। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। ग्रामीणों ने समय पर पहुंचकर कार्रवाई करने के लिए मसलिया पुलिस की सराहना की।

आरजेडी के जिला उपाध्यक्ष को पितृ शोक

साहिबगंजःआरजेडी के जिला उपाध्यक्ष सह यादव महासभा के पूर्व जिला अध्यक्ष सकरीगली निवासी दिनेश यादव के पिता हीरालाल यादव 67 का लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। वे अपने पीछे तीन पुत्र,चार पुत्री सहित भरा पूरा परिवार छोड़ गए हैं। उनके निधन से राजद जिला अध्यक्ष सत्यनारायण,जिला उपाध्यक्ष संजय यादव,प्रदेश सचिव मुन्ना यादव सहित यादव महासभा के जिला अध्यक्ष भरत यादव,लाल बाबू यादव व अन्य सदस्यों ने गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है।

संथाल परगना क्षेत्रीय खेलकूद प्रतियोगिता की सफलता पर एसपी ने खेल संघों का जताया आभार

जिला क्रिकेट संघ के अंपायर व स्कोरर को मोमेंटो देकर किया सम्मानित

साहिबगंजः पिछले महीने संपन्न हुए तीन संथाल परगना क्षेत्रीय पुलिस खेलकूद प्रतियोगिता पर पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह ने सभी खेल संघों विशेष कर जिला क्रिकेट संघ का आभार जताया है। शनिवार को उन्होंने अपने कार्यालय में प्रतियोगिता के तहत क्रिकेट टूर्नामेंट में सहयोग के लिए जिला क्रिकेट संघ सचिव अंकुर सिन्हा, अंपायर व स्कोरर की भूमिका निभाने वाले मो अशफाक आलम, श्याम रंजन तिवारी, अनाउल्लाह, तारिक अनवर, अब्राहम शेख, सुधांशु व अंकित को मोमेंटो देकर सम्मानित किया। एसपी ने कहा कि अन्य खेल संघों के साथ जिला क्रिकेट संघ ने प्रतियोगिता को सफल बनाने में अपनी महत्ती भूमिका निभाई। क्रिकेट संघ के अंपायर व स्कोरर ने डे नाइट क्रिकेट का सफलतापूर्वक संचालन किया। सभी के सहयोग से संथाल परगना क्षेत्रीय पुलिस खेलकूद प्रतियोगिता सफलतापूर्वक संचालित हुआ। मौके पर जेएससीए सदस्य चंदेश्वर प्रसाद सिन्हा, मेजर रोहित दूबे व अन्य मौजूद थे।

मां बिपदतारिणी पूजा धूमधाम से संपन्न

साहिबगंजःशहर के बंगाली टोला दुर्गा मंदिर प्रांगण में शनिवार को दो दिवसीय मां बिपदतारिणी पूजा विधिवत रूप से वैदिक मंत्रोचारण के साथ धूमधाम से मनाई गई।पश्चिम बंगाल के पुरोहित सुखेंदु चटर्जी ने बंगाल रीति रिवाज से वैदिक मंत्रोचारण के साथ विधिवत रूप से पूजन करके मां बिपदतारिणी की पूजा में 13 प्रकार के फल,13 प्रकार के फूल,13 प्रकार के मिष्ठान चढ़ाकर मां को भोग लगाया।इससे पूर्व समिति की ओर से मां की आकर्षक प्रतिमा स्थापित की गई।वही पूजन में बंगाली समुदाय के ज्यादातर श्रद्धालु शामिल हुए।सचिव रंजीत सिंह ने बताया कि पहले दिन मां का विधिवत रूप से पूजन करके भोग लगाया गया।दूसरे दिन रविवार को मां को विदा किया जाएगा,प्रतिमा विसर्जन दोपहर बाद ढोल नगाड़ा गाजे बाजे के साथ स्थानीय गंगा तट में किया जाएगा।मौके पर समिति सदस्य विकास कुमार गुप्ता,तोहीन सिंह राय,सुदीप सिंह राय,संदीप सिंह राय,अभिजीत सिंह राय उर्फ राजा,शशि सिन्हा,गोविंद कुमार साह,प्रशांत कुमार,रिक्की कुमार,रवि मंडल सहित सभी सदस्य व सैकड़ो महिला पुरुष श्रद्धालु उपस्थित थे।

कुएं में गिरने से राशन दुकान के कर्मचारी की मौत

पूर्वी सिंहभूम : मानगो थाना क्षेत्र के मुंशी मोहल्ला पोस्ट ऑफिस रोड स्थित एक मकान परिसर में बने कुएं में गिरने से 45 वर्षीय रघुवीर सिंह की मौत हो गई। यह हादसा शनिवार देर रात उस समय हुआ, जब वह अपने घर लौट रहे थे। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय लोगों ने काफी प्रयास के बाद उन्हें कुएं से बाहर निकाला, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। स्थानीय निवासी सुरेंद्र सिंह के अनुसार, रघुवीर सिंह कथित तौर पर नशे की हालत में घर लौट रहे थे। इसी दौरान घर के समीप गली में स्थित खुले कुएं के पास उनका संतुलन बिगड़ गया और वह सीधे कुएं में जा गिरे। गिरने की आवाज सुनकर सबसे पहले निर्मल कौर मौके पर पहुंचीं, लेकिन तब तक रघुवीर सिंह कुएं की गहराई में जा चुके थे।

पीसीसी रोड क्षतिग्रस्त करने का आरोप, ग्रामीणों ने सीओ से की जांच व कार्रवाई की मांग

संवाददाता

साहिबगंज/उधवाःप्रखंड क्षेत्र के श्रीधर नंबर-1 उत्तर दिशा गांव में सार्वजनिक पीसीसी सड़क को क्षतिग्रस्त किए जाने और सरकारी भूमि पर कथित अतिक्रमण का मामला सामने आया है। इस संबंध में गांव के विश्वजीत मंडल, मनाल राय, हरिदास राय, शशांक मंडल, सूजन मंडल सहित कई ग्रामीणों ने हस्ताक्षरयुक्त सामूहिक आवेदन अंचल पदाधिकारी को सौंपकर मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों के विरुद्ध आवश्यक कानूनी कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों द्वारा दिए गए आवेदन में आरोप लगाया गया है कि 8 जुलाई को गांव के सुरेन दास, संजय दास एवं मनिन्द्र दास ने मकान निर्माण के दौरान काली मंदिर के समीप स्थित सार्वजनिक पीसीसी सड़क के एक हिस्से को तोड़ दिया तथा वहां खुदाई कर दी। ग्रामीणों का कहना है कि यह सड़क मोहल्ले के लोगों के लिए बाजार और मुख्य सड़क तक पहुंचने का प्रमुख मार्ग है। सड़क क्षतिग्रस्त होने से स्थानीय लोगों को आवागमन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है और सरकारी संपत्ति को भी नुकसान पहुंचा है। आवेदन में यह भी उल्लेख किया गया है कि संबंधित लोगों पर पहले भी सार्वजनिक संपत्ति के साथ छेड़छाड़ करने का आरोप लग चुका है। ग्रामीणों के अनुसार वर्षों पूर्व पुल के समीप स्थित दुकान के सामने पुल की रेलिंग हटाकर निर्माण आगे बढ़ा दिया गया था, जिससे सार्वजनिक मार्ग संकरा हो गया और लोगों की आवाजाही प्रभावित होने लगी। ग्रामीणों ने अंचल प्रशासन से मांग की है कि विवादित स्थल पर चल रहे निर्माण कार्य पर तत्काल रोक लगाई जाए, पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए, यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो संबंधित लोगों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाए क्षतिग्रस्त पीसीसी सड़क की जल्द मरम्मत कर आम लोगों की सुविधा बहाल की जाए।

राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले और राज्य का नाम करें रौशनः उपायुक्त

- जिला प्रशासन ने खेलो इंडिया कुश्ती सेंटर के खिलाड़ियों के बीच खेल किट का किया वितरण

संवाददाता

साहिबगंजःखेलकूद एवं युवा कार्य विभाग, झारखंड, रांची के तत्वावधान में साहेबगंज स्थित चाँद भैरव इंडोर स्टेडियम में संचालित खेलो इंडिया बालक व बालिका कुश्ती प्रशिक्षण केंद्र के प्रशिक्षुओं के बीच आज जिला दंडाधिकारी - सह- उपायुक्त दीपक कुमार दुबे ने समाहरणालय स्थित अपने कार्यालय कक्ष में खेल किट का वितरण किया। जबकि खिलाड़ियों को ट्रैक सूट टी-शर्ट कुश्ती कॉस्ट्यूम, खेल जूते, मोजे व बैग सहित आवश्यक खेल सामग्री उपलब्ध कराई। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि बेहतर सुविधाएँ और नियमित प्रशिक्षण से खिलाड़ी राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले और राज्य का नाम गौरवान्वित करें। खेल विभाग द्वारा संचालित खेलो इंडिया कुश्ती प्रशिक्षण केंद्र के खिलाड़ियों ने विगत वर्षों में राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर साहिबगंज जिले को गौरवान्वित किया है। खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण व आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विभाग व जिला प्रशासन निरंतर कार्य कर रहा है। इस अवसर पर जिला शिक्षा पदाधिकारी-सह-जिला खेल पदाधिकारी नयन कुमार खेलो इंडिया कुश्ती प्रशिक्षक प्रकाश सिंह बादल एथलेटिक्स प्रशिक्षक योगेश यादव सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं प्रशिक्षु खिलाड़ी उपस्थित थे।

आशिक जिलानी ने नीट में लहराया परचम, एमबीबीएस के लिए हुए चयनित

561 अंक व ऑल इंडिया रैंक 29011 हासिल कर बढ़ाया क्षेत्र का मान

संवाददाता

साहिबगंज/उधवाः प्रखंड की दक्षिण बेगमगंज पंचायत के होनहार छात्र आशिक जिलानी ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा नीट 2026 में शानदार प्रदर्शन कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उन्होंने परीक्षा में 561 अंक प्राप्त करते हुए ऑल इंडिया रैंक 29011 हासिल की है। इस उपलब्धि के साथ उनका चयन एमबीबीएस पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए हुआ है। आशिक जिलानी की इस सफलता से परिवार के साथ-साथ पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है। स्थानीय लोगों ने इसे क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणादायक उपलब्धि बताया है। जानकारी के अनुसार, आशिक ने एलेन इंस्टीट्यूट, कोटा (राजस्थान) में रहकर नीट की तैयारी की। उनके पिता मुफ्ती अब्दुस सलाम अलीम-ए-दीन हैं और उत्तर प्रदेश के मऊ जिले स्थित एक मदरसा में शिक्षक के रूप में कार्यरत हैं, जबकि उनकी माता गृहिणी हैं। आशिक ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, शिक्षकों और निरंतर मेहनत को दिया। उन्होंने बताया कि इंटरमीडिएट की पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने पूरी लगन और अनुशासन के साथ नीट की तैयारी शुरू की। नियमित अध्ययन, धैर्य और दृढ़ संकल्प के बल पर उन्हें यह सफलता मिली। उन्होंने कहा कि उनका सपना एक योग्य चिकित्सक बनकर समाज की सेवा करना है। भविष्य में एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी कर लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता होगी। साथ ही वे अपने क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा बनकर उन्हें मेहनत और लगन से अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहते हैं।

पुलिस ने कार जब्त कर लिया है , मामले की छानबीन कर रही है: थाना प्रभारी

- आटो रिक्शा को ठोकर मारते हुए सड़क से नीचे पुलिया के गड्ढे में जाकर पलटी कार

संवाददाता

साहिबगंज/बरहड़वाः पाकुड़ मुख्य पथ पर स्थित कोटालपोखर थाना क्षेत्र के ढाटापाड़ा मोड़ पर बरहड़वा की ओर से तेज रफ्तार से आ रही वाहन संख्या जेएच 04 ए 7677 बोलोरो ने सड़क किनारे खड़ी सवारी से भरी आटो रिक्शा को ठोकर मारते हुए सड़क से नीचे पुलिया के गड्ढे में जाकर पलटी कर गई। इस दुर्घटना में आटो रिक्शा पर सवार कुल पांच लोगों को चोट लगी है। जिसमें सबसे ज्यादा बरहड़वा थाना क्षेत्र के महादेव पुर निवासी 19 वर्षीय युवक मंडल हेम्ब्रम घायल हुए हैं। वहीं बोलोरो पर सवार लोगों को भी हल्की चोटें आई हैं। इधर घटना को देख को ढाटापाड़ा दुखियाटोला व आसपास के लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई। वहीं घटना की सुचना मिलते ही कोटालपोखर थाना कै एएसआई मनोज मुर्मू पुलिस बल के साथ घटना स्थल पर पहुंच मामले की जानकारी ली सभी घायलों को इलाज के लिए पुलिस अपने साथ सदर अस्पताल पाकुड़ ले गए। जहां सभी घायलों का इलाज चल रहा है। वहीं मंडल मुर्मू को प्राथमिक उपचार के वाद हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। कोटालपोखर थाना प्रभारी पवन कुमार ने बताया कि पुलिस ने बोलोरो को जब्त कर लिया है और मामले की छानबीन कर रही है।

-मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत डिजिटाइजेशन कार्यों की उपायुक्त ने की समीक्षा

जिले में 56.319 प्रतिशत डिजिटाइजेशन का काम हुआ पूरा

संवाददाता

साहिबगंज : भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार संचालित विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत साहिबगंज जिले में गणना प्रपत्रों के वितरण एवं डिजिटाइजेशन का कार्य युद्धस्तर पर संचालित है। दिनांक 18 जुलाई 2026 4:00 बजे तक प्राप्त प्रतिवेदन के अनुसार जिले के कुल 8,72,147 गणना प्रपत्रों का वितरण 100 प्रतिशत किया जा चुका है। इनमें से 4,89,031 गणना प्रपत्रों का सफलतापूर्वक डिजिटाइजेशन पूर्ण किया गया है, जो कुल वितरित प्रपत्रों का 56.07 प्रतिशत है। विधानसभा क्षेत्रवार प्रगति के अनुसार,1 राजमहल विधानसभा क्षेत्र में 3,61,893 प्रपत्रों के विरुद्ध 2,20,286 प्रपत्रों 60.87 प्रतिशतश्र 2 बोरियो विधानसभा क्षेत्र में 2,87,298 प्रपत्रों के विरुद्ध 1,43,461 प्रपत्रों 49।93 प्रतिशत व 3 बरहेट विधानसभा क्षेत्र में 2,22,956 प्रपत्रों के विरुद्ध 1,25,284 प्रपत्रों 56।19 प्रतिशत का डिजिटाइजेशन पूर्ण किया जा चुका है। इसी क्रम में मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के अंतर्गत जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त दीपक कुमार दुबे ने 02-बोरियो विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत प्रखंड बोरियो संचालित डिजिटाइजेशन कार्यों की समीक्षा की।समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने मतदाता सूची पुनरीक्षण से संबंधित प्रगति की विस्तार से जानकारी प्राप्त की और एएसडीडीएफ सूची की तैयारियों के संबंध में प्रखंड विकास पदाधिकारी से आवश्यक जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिया कि 22 जुलाई 2026 को सभी मतदान केंद्रों पर सूची का अनिवार्य रूप से प्रकाशन किया जाए निर्धारित प्रपत्र के अनुसार बैठक की कार्यवाही भी तैयार कर समय पर उपलब्ध कराई जाए। इसके उपरांत उपायुक्त ने क्षेत्र भ्रमण के दौरान विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर वहां संचालित मतदाता गणना प्रपत्रों के डिजिटाइजेशन कार्य की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों व कर्मियों को निर्देश दिया कि सभी प्रविष्टियां निर्धारित मानकों के अनुरूप त्रुटिरहित ढंग से पूर्ण की जाएं तथा अभियान से जुड़े सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर गुणवत्ता के साथ संपादित किए जाएं।उपायुक्त ने कहा कि मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण निर्वाचन प्रक्रिया की पारदर्शिता शुद्धता सुनिश्चित करने का महत्वपूर्ण अभियान है। इसमें सभी संबंधित पदाधिकारी व कर्मी पूर्ण जिम्मेदारी समन्वय व गंभीरता के साथ कार्य करें ताकि प्रत्येक पात्र मतदाता का विवरण सही अद्यतन रूप में मतदाता सूची में दर्ज हो सके।

हम कोच डिडिएर डेशां को जीत के साथ विदाई देना चाहते थेः एम्बाप्पे

एजेंसी

मियामी : फीफा विश्व कप 2026 के तीसरे स्थान के मुकाबले में इंग्लैंड से 6-4 की हार के बाद फ्रांस के कप्तान किलियन एम्बाप्पे ने कहा कि टीम अपने विदाई ले रहे मुख्य कोच डिडिएर डेशां को जीत के साथ विदाई देना चाहती थी, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। हालांकि उन्होंने स्वीकार किया कि उनकी टीम पहले हाफ में पूरी तरह बिखर गई थी, लेकिन दूसरे हाफ में खिलाड़ियों ने फिर विश्व स्तरीय प्रदर्शन किया। मियामी स्टेडियम में खेले गए इस रोमांचक मुकाबले में इंग्लैंड ने पहले हाफ में 4-0 की बढ़त बना ली थी। डेक्लान राइस, एजरी कॉन्सा और बुकायो साका (दो गोल) ने इंग्लैंड को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। विश्व कप इतिहास में यह पहला अवसर था जब फ्रांस ने किसी एक हाफ में चार गोल खाए। मैच के बाद एम्बाप्पे ने कहा, ₹मैच के दो बिल्कुल अलग-अलग हिस्से थे। पहले हाफ को देखकर मैं समझ सकता हूं कि कुछ लोगों को लगा होगा कि हमने खुद को हास्यास्पद बना लिया और फ्रांस की जर्सी का सम्मान नहीं किया। लेकिन मैं कहूंगा कि हम इंसान हैं, हालांकि इस स्तर पर हमें ऐसी गलती की गुंजाइश नहीं होनी चाहिए। हम पूरी तरह हिल गए थे और इंग्लैंड ने हमें झकझोर कर रख दिया। उन्होंने आगे कहा, ₹दूसरे हाफ में हम फिर वही शीर्ष स्तर के खिलाड़ी बन गए, मानसिक रूप से मजबूत और पूरी तरह तैयार। दुर्भाग्य से हम मैच नहीं जीत सके और इसका सबसे ज्यादा दुख हमारे कोच डिडिएर डेशां के लिए है। हम उनके लिए कुछ खास करना चाहते थे। पहले हाफ को देखकर ऐसा लगा जैसे हमने उन्हें निराश किया, लेकिन हम कभी भी उन्हें ऐसा महसूस नहीं कराना चाहते थे। हालांकि मुझे पूरा विश्वास है कि यह एक मैच डिडिएर डेशां की महान विरासत को कभी धूमिल नहीं करेगा। चार गोल से पिछड़ने के बाद फ्रांस ने दूसरे हाफ में शानदार वापसी की। एम्बाप्पे ने दो गोल किए, जबकि ब्रैडली बारकोला ने एक गोल कर स्कोर 4-3 कर दिया। एम्बाप्पे के इन दो गोलों के साथ वह फीफा विश्व कप इतिहास में सर्वाधिक 22 गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए और उन्होंने लियोनेल मेसी को पीछे छोड़ दिया। हालांकि 87वें मिनट में बुकायो साका ने पेनल्टी पर अपना हैट्रिक पूरा कर इंग्लैंड की बढ़त फिर मजबूत कर दी। उस्मान डेम्बेले ने फ्रांस के लिए एक और गोल किया, लेकिन स्टॉपेज टाइम में जूद बेलिंगहैम ने गोल कर इंग्लैंड की 6-4 की जीत सुनिश्चित कर दी। यह मुकाबला फ्रांस के मुख्य कोच डिडिएर डेशां का आखिरी मैच भी था। उन्होंने 2012 में टीम की कमान संभाली थी और उनके नेतृत्व में फ्रांस ने 2018 फीफा विश्व कप का खिताब जीता, 2022 में फाइनल खेला और 2026 विश्व कप में सेमीफाइनल तक का सफर तय किया। इंग्लैंड के खिलाफ मिली हार के साथ उनके 14 वर्षों के सफल कार्यकाल का समापन हो गया।

नरेन-होल्डर की घातक गेंदबाजी से एलए नाइट राइडर्स ने पहली बार जीता मेजर लीग क्रिकेट का खिताब

ओकलैंड : सुनील नरेन और जेसन होल्डर की शानदार गेंदबाजी के दम पर लॉस एंजिलिस नाइट राइडर्स (एलए नाइट राइडर्स) ने इतिहास रचते हुए पहली बार मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) का खिताब अपने नाम कर लिया। ओकलैंड कोलिजियम में स्थानीय समयानुसार शनिवार रात खेले गए रोमांचक फाइनल में एलए नाइट राइडर्स ने गत चैंपियन वॉशिंगटन फ्रीडम को एक रन से हराकर चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। इस जीत के साथ एमआई न्यूयॉर्क और वॉशिंगटन फ्रीडम के तीन साल के दबदबे का भी अंत हो गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए एलए नाइट राइडर्स की टीम 19.4 ओवर में 164 रन पर सिमट गई। टीम के लिए आंद्रे फ्लेचर ने 27 गेंदों में 47 रन, कॉलिन मुनरो ने 29 गेंदों में 40 रन और मैथ्यू ट्रॉम्प ने 21 गेंदों में 39 रनों की तेज पारी खेली। वॉशिंगटन फ्रीडम की ओर से बेन ड्वारशुइस ने तीन विकेट, जबकि रचिन रविंद्र और निखिल चौधरी ने दो-दो विकेट लिए। 165 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी वॉशिंगटन फ्रीडम की शुरूआत अच्छी नहीं रही। अनुभवी स्पिनर सुनील नरेन और कप्तान जेसन होल्डर ने नियमित अंतराल पर विकेट लेकर टीम को दबाव में बनाए रखा। नरेन ने बेहद किफायती गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में सिर्फ 13 रन देकर तीन विकेट झटके, जबकि होल्डर ने तीन विकेट हासिल किए। हालांकि, ओबस पीनार ने निचले क्रम में 24 गेंदों पर 53 रनों की विस्फोटक पारी खेलकर मुकाबले को आखिरी गेंदों तक पहुंचा दिया। उन्होंने अकेले दम पर वॉशिंगटन की उम्मीदें जिंदा रखीं, लेकिन उनकी शानदार पारी भी टीम को जीत नहीं दिला सकी। वॉशिंगटन की टीम निर्धारित 20 ओवर में नौ विकेट पर 163 रन ही बना सकी और उसे एक रन से हार का सामना करना पड़ा। एलए नाइट राइडर्स ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया और फाइनल में दबाव के बीच संयम बनाए रखते हुए पहली बार एमएलसी ट्रॉफी अपने नाम कर ली।

विक्रांत की सादगी पर फिदा हुई महिमा

अभिनेता विक्रांत मैसी और अभिनेत्री महिमा मकवाना जल्द ही आगामी फिल्म 'मुसाफिर कैफे' में नजर आएंगे। हाल ही में फिल्म के ट्रेलर लॉन्च के दौरान महिमा मकवाना ने अपने को-स्टार की तारीफ करते हुए बताया कि करियर में बड़ी सफलता हासिल करने के बावजूद विक्रांत वही इंसान हैं जिन्हें वह सालों पहले जानती थीं। अभिनेत्री ने बताया कि विक्रांत के साथ उनकी पहली मुलाकात टीवी सीरियल 'बालिका वधू' के सेट पर हुई थी, जब वह महज 10 साल की थीं। अभिनेत्री महिमा मकवाना ने कहा, 'इतने वर्षों के बाद भी विक्रांत में कोई बदलाव नहीं आया। वे सबसे दयालु, मेहनती और सच्चे इंसान है। ये खूबियां उनके काम में दिखती हैं।' अभिनेत्री महिमा मकवाना ने यह भी कहा कि 'मुसाफिर कैफे' में विक्रांत मैसी के साथ दोबारा काम करना एक शानदार अनुभव रहा है। वहीं, विक्रांत ने भी महिमा मकवाना के साथ काम करने को शानदार अनुभव बताया।

महिमा मकवाना ने टेलीविजन शो 'बालिका वधू' में युवा गौरी सिंह का रोल किया था। उनके कैरेक्टर को एक छोटे से कैमियो के जरिए इंट्रोड्यूस किया गया था, जिसमें एक युवा लड़की थी जो जग्या (अविनाश मुखर्जी) से शादी करने वाली थी, उस समय जब आनंदी मेंटल हेल्थ की दिक्कतों से जूझ रही थी। दूसरी तरफ, विक्रांत मैसी ने पॉपुलर हिंदी टेलीविजन सीरीज 'बालिका वधू' में श्याम मदन सिंह का किरदार निभाया था।

निमरत ने सोशल मीडिया पर शेयर की अपने बिजी शेड्यूल की झलक

अभिनेत्री निमरत कौर ने सोशल मीडिया के जरिए अपने बिजी शेड्यूल की एक झलक दिखाई। उन्होंने एक पोस्ट शेयर कर बताया कि साल के शुरुआती छह महीने उनके काम और भागदौड़ में कैसे बीते। इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए वीडियो में अभिनेत्री निमरत कौर काम की जिम्मेदारियों, ट्रैवलिंग और अपनी व्यस्त दिनचर्या के पलों का आनंद लेते हुए देखा जा सकता है। क्लिप में एक्ट्रेस को जिम में वर्कआउट करते, फोटोशूट के लिए पोज देते और अपनी व्यस्त दिनचर्या के कई अन्य पलों को कैद करते हुए भी दिखाया गया है। वीडियो शेयर कर अभिनेत्री निमरत कौर ने लिखा, 'अब तक का मेरा आधा सालः जनवरी, ट्रैवल, काम, खाना, हीटवेव, एक और हीटवेव, जुलाई, रिपीट। निमरत कौर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं, जहां वह अक्सर तस्वीरों और वीडियो के जरिए अपनी जिंदगी की झलकियां शेयर करती रहती हैं। अक्षय कुमार के साथ फिल्म 'एयरलिफ्ट' से अपनी पहचान बनाने वाली अभिनेत्री निमरत कौर 'द फैमिली मैन' के तीसरे सीजन में नजर आई थीं। इस पॉपुलर सीरीज में मनोज बाजपेयी ने श्रीकांत तिवारी का किरदार निभाया था, एक मिडिल-क्लास आदमी जो इंटेलिजेंस ऑफिसर के तौर पर दोहरी जिंदगी जी रहा था। मनोज बाजपेयी (श्रीकांत तिवारी), शारिब हाशमी (जेके तलपड़े), प्रियामणि (सुचित्रा), और निम्रत कौर अपने पुराने किरदारों में वापस लौटे हैं। इसके अलावा जाने-माने अभिनेता जयदीप अहलावत ने इसमें एक खूंखार विलेन (रुक्मा) का शानदार किरदार निभाया है।

इसके अलावा अभिनेत्री जल्द ही कोर्टरूम ड्रामा-थ्रिलर फिल्म 'सेक्शन 84' में नजर आएंगी।

एस. जानकी के गानों में खोईं शिवानी नारायणन

दी यादगार श्रद्धांजलि

मशहूर एक्ट्रेस और बिग बॉस कंटेस्टेंट शिवानी नारायणन ने देश की महान प्लेबैक सिंगर एस. जानकी को अपने ही सरल अंदाज में श्रद्धांजलि दी है। मशहूर प्लेबैक सिंगर, जिनका हाल ही में मैसूर में कार्डियक अरेस्ट से निधन हो गया। उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए एक्ट्रेस ने उनके गाए कुछ मशहूर गानों को खुद गाने की कोशिश करते हुए वीडियो शेयर किया। शिवानी नारायणन ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर उस महान सिंगर के गाने गाते हुए वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा, 'कोई फॉर्मल ट्रेनिंग नहीं, बस 'साउथ की नाइटिंगेल' के लिए दिल से सम्मान है। शिवानी ने कहा कि मैं प्रोफेशनल रूप से ट्रेंड सिंगर नहीं हूं, लेकिन जानकी अम्मा की जादुई आवाज के लिए मेरा प्यार मुझे हमेशा कोशिश करने के लिए प्रेरित करता है। जानकी अम्मा की दिव्य आवाज सुनकर बड़ी होने के कारण मैंने संगीत को महसूस करना सीखा। यह बस एक छोटी सी, दिल से की गई कोशिश है। उनके गाने को गाना बहुत मुश्किल है क्योंकि उनकी आवाज का उतार-चढ़ाव एकदम सही होता है, लेकिन मैं उनके प्रति अपने प्यार और सम्मान के कारण कोशिश करने से खुद को रोक नहीं पाई। एक्ट्रेस ने कहा कि उस महान सिंगर के जाने से जो कमी आई है, उसे पूरा नहीं किया जा सकता, लेकिन उनका संगीत हमेशा सुकून देने वाला रहेगा।

मेरी जिंदगी पर फिल्म बनी तो कहानी दिलचस्प होगी

पंजाबी इंडस्ट्री से लेकर बॉलीवुड तक अपनी खास पहचान बनाने वाली अभिनेत्री शहनाज गिल आज किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। अपनी मासूमियत, बेबाक अंदाज और मेहनत के दम पर उन्होंने लाखों लोगों के दिलों में जगह बनाई है। रियलिटी शो 'बिग बॉस 13' से घर-घर में लोकप्रिय हुईं शहनाज अब फिल्मों में भी अपनी अलग पहचान बनाने में जुटी हुई हैं। वह अब अपनी आने वाली फिल्म 'इश्कनामा' को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच उन्होंने आईएएनएस से बात तरते हुए अपनी जिंदगी, प्रेम कहानी और एक कलाकार के तौर पर जिम्मेदारियों को लेकर खुलकर बात की है। शहनाज गिल ने कहा कि अगर कभी उनकी जिंदगी पर फिल्म बनाई जाती है तो वह कहानी बेहद दिलचस्प होगी। हालांकि, उन्होंने अभी से अपनी जिंदगी पर बनने वाली फिल्म का नाम बताने से इनकार कर दिया। अभिनेत्री का कहना है कि जब ऐसा मौका आएगा, तब वह खुद अपनी कहानी का टाइटल दुनिया के सामने बताएंगी। बातचीत में शहनाज से पूछा गया कि अगर उनकी जिंदगी की अपनी कोई 'इश्कनामा' यानी प्रेम कहानी हो, तो उसका टाइटल क्या होगा। इस सवाल पर अभिनेत्री ने कहा, 'जब मेरी जिंदगी पर फिल्म बनेगी तो मुझे लगता है कि वह बहुत दिलचस्प होगी, और जब ऐसा होगा, तब मैं उसका टाइटल भी बताऊंगी। फिल्म में अपने किरदार को लेकर शहनाज गिल ने कहा, ''मुझे लगता है कि जब किसी सच्ची कहानी पर फिल्म बनाई जाती है तो जिम्मेदारी लेना बहुत जरूरी होता है। मैंने अपनी तरफ से इस जिम्मेदारी को पूरी क्षमता के साथ निभाने की कोशिश की है। मुझे विश्वास है कि मेरे किरदार को लोग जरूर पसंद करेंगे। फिल्म की बात करें, तो 'इश्कनामा' एक सच्ची प्रेम कहानी से प्रेरित बताई जा रही है, जिसमें निम्मा और नसीमा के रिश्ते को दिखाया गया है। यह एक पीरियड रोमांटिक ड्रामा फिल्म है। इसकी कहानी साल 1981 से 1988 के बीच भारत-पाकिस्तान सीमा के आसपास की पृष्ठभूमि पर आधारित है।

बॉलीवुड की

प्रेम कहानियों को जिंदा रखने वाले नए दौर के रोमांटिक हीरो

रोमांस हमेशा से बॉलीवुड की धड़कन रहा है। एक दौर था जब बड़े-बड़े एक्शन स्पेक्टेकल्स और सिनेमाई यूनिवर्स का बोलबाला नहीं था, तब प्रेम कहानियां ही दर्शकों को हंसाती थीं, रुलाती थीं, सपने दिखाती थीं और बार-बार सिनेमाघरों तक खींच लाती थीं।

राजेश खन्ना का जादुई आकर्षण और अमिताभ बच्चन की गहराई से लेकर शाहरुख खान के सदाबहार रोमांस, सलमान खान की सहज करिश्माई अदाओं और शाहिद कपूर के भावनात्मक अभिनय तक, हर पीढ़ी को अपना एक रोमांटिक हीरो मिला है। हालांकि समय के साथ कहानियां बदली और पर्दे पर रिश्तों को दिखाने का अंदाज पहले से ज्यादा परिपक्व हुआ, लेकिन एक चीज जो आज भी नहीं बदली, वो है एक अच्छी प्रेम कहानी। फिलहाल आज के लीडिंग एक्टर्स रोमांस को एक नए नजरिए से पेश कर रहे हैं, जहां दिखावे से ज्यादा सच्चाई, दबंगई अंदाज से ज्यादा संवेदनशीलता और इशारों से ज्यादा वास्तविक भावनाओं को महत्व दिया जा रहा है। अपनी शानदार अदाकारी और सहज स्क्रीन प्रेजेंस के साथ फिलहाल ये कलाकार बॉलीवुड रोमांस को एक नई पहचान दे रहे हैं। तो आइए एक नज़र डालते हैं, उन युवा कलाकारों पर, जो रोमांटिक हीरो की विरासत को नए दौर में आगे बढ़ा रहे हैं।

अहान पांडे - नए दौर के उभरते रोमांटिक हीरोः

फिल्म सैयारा के साथ अहान पांडे ने बॉलीवुड में एक शानदार शुरुआत की है और वह नए दौर के सबसे चर्चित रोमांटिक लीड्स में शामिल हो चुके हैं। उनकी सहज स्क्रीन प्रेजेंस, युवा ऊर्जा और मासूमियत भरी अदाएं दर्शकों को तुरंत पसंद आईं। पहली मोहब्बत की खुशी, उलझन और गहराई को अहान ने बेहद स्वाभाविक अंदाज में पर्दे पर उतारा है।

वेदांग रैना - आकर्षक अभिनेता का शांत अंदाजः

'द आर्चीज' से लेकर आगामी फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' तक वेदांग रैना ने धीरे-धीरे अपनी एक अलग पहचान बनाई है। वह भावनाओं को बड़े-बड़े हाव-भाव के बजाय अपनी सादगी और आंखों के जरिए व्यक्त करने के लिए जाने जाते हैं। उनकी सहज अदाकारी, एक्सप्रेसिव आंखें और स्क्रीन पर स्वाभाविक मौजूदगी उन्हें दिल को छू लेने वाली प्रेम कहानियों के लिए एक बेहतरीन विकल्प बनाती है। युवा दर्शकों के बीच उनकी बढ़ती लोकप्रियता एक नए तरह के सॉफ्ट और अंडरस्टेटेड रोमांटिक हीरो की मांग को दर्शाती है।

रोहित सराफ - युवा लड़कियों के दिलों की धड़कनः

बेहद कम युवा कलाकार हैं, जिन्होंने आधुनिक रोमां के साथ उतना मजबूत जुड़ाव बनाया है, जितना रोहित सराफ ने। 'मिसमैच्ड' के जरिए उन्होंने एक ऐसे भरोसेमंद और प्यारे बॉय-नेक्स्ट-डोर किरदार की पहचान बनाई है, जिससे दर्शक आसानी से जुड़ जाते हैं। उनकी गर्मजोशी, संवेदनशीलता और सहज आकर्षण ने उन्हें जेन ं के पसंदीदा रोमांटिक चेहरों में शामिल कर दिया है। रोहित ने साबित किया है कि सादगी ही सबसे मजबूत भावनात्मक जुड़ाव पैदा कर सकती है।

वीर पहाड़िया - नए रोमांटिक लीड की उम्मीदः

'स्काई फोर्स' के जरिए दर्शकों के सामने आए वीर पहाड़िया ने रोमांटिक पलों में अपनी सहजता और स्क्रीन प्रेजेंस से सभी का ध्यान आकर्षित किया। उनकी एक्सप्रेसिव आंखें, सादगी भरा आकर्षण और आत्मविश्वास उन्हें आधुनिक प्रेम कहानियों के लिए उपयुक्त बनाते हैं। क्लासिक बॉलीवुड हीरो वाली अपील के साथ नई पीढ़ी की ऊर्जा को जोड़ते हुए वीर धीरे-धीरे इंडस्ट्री के उभरते रोमांटिक चेहरों में शामिल हो रहे हैं।

अभय वर्मा - बॉय-नेक्सट-डोर हार्टथ्रोबः

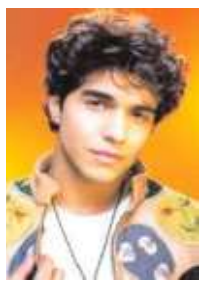

'मुंज्या' की सफलता के बाद अभय वर्मा सबसे ज्यादा चर्चा में रहने वाले युवा कलाकारों में शामिल हो गए हैं। उनकी सहज अदाकारी, सरल व्यक्तित्व और दर्शकों से जुड़ने की क्षमता ने उन्हें खास पहचान दिलाई है। उनमें वह गर्मजोशी और वास्तविकता है, जो अक्सर यादगार रोमांटिक हीरो की पहचान होती है। आने वाले समय में अभय कई दिल छू लेने वाली प्रेम कहानियों को लीड करने की क्षमता रखते हैं।

लक्ष्य - रोमांस में इमोशनल गहराईः

'किल' में अपने दमदार प्रदर्शन से प्रभावित करने के बाद लक्ष्य अब 'चांद मेरा दिल' के साथ अपने अभिनय का एक अलग पक्ष दिखाने के लिए तैयार हैं। भावनात्मक गहराई और शांत लेकिन प्रभावशाली अंदाज के साथ लक्ष्य आधुनिक रोमांटिक ड्रामा को संभालने की क्षमता रखते हैं। उनकी आगामी रोमांटिक फिल्म को लेकर पहले से ही उत्सुकता बनी हुई है और यह उन्हें बॉलीवुड के सबसे रोमांचक युवा लीड एक्टर्स में स्थापित कर सकती है।

मध्य प्रदेश के छतरपुर-पन्ना में भारी बारिश की चेतावनी, 34 जिलों में हल्की बूंदाबांदी के आसार

एजेंसी

भोपाल : मध्य प्रदेश में मानसून की गतिविधियां एक बार फिर सक्रिय हैं। अगले 24 घंटों के लिए छतरपुर और पन्ना जिलों में भारी बारिश की चेतावनी जारी गई है। इसके अलावा जबलपुर और ग्वालियर संभाग सहित प्रदेश के 34 जिलों में हल्की बारिश या बूंदाबांदी होने की संभावना जताई गई है। वहीं भोपाल, इंदौर और उज्जैन समेत कई जिलों में मौसम सामान्य और साफ रहने का अनुमान है। मौसम विभाग के मुताबिक प्रदेश के आसपास चार साइक्लोनिक सकुर्लेशन और एक टर्फ सिस्टम सक्रिय हैं। इसी कारण शनिवार को भोपाल, नर्मदापुरम सहित कई इलाकों में कहीं तेज तो कहीं हल्की बारिश दर्ज की गई। विभाग का अनुमान है कि रविवार को भी प्रदेश के कई हिस्सों में ऐसा ही मौसम बना रहेगा। आज जिन जिलों में बूंदाबांदी या हल्की बारिश की संभावना है, उनमें रायसेन, विदिशा, नर्मदापुरम, बैतूल, ग्वालियर, श्योपुर, मुरैना, भिंड, दतिया,

शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, जबलपुर, कटनी, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, बालाघाट, मंडला, डिंडौरी, रीवा, सतना, सीधी, सिंगरौली, मऊगंज, मैहर, शहडोल, उमरिया, अनूपपुर, सागर, दमोह, टीकमगढ़ और निवाड़ी शामिल हैं। दूसरी ओर भोपाल, राजगढ़, सीहोर, हरदा, इंदौर, झाबुआ, अलीराजपुर, धार, बुरहानपुर, बड़वानी, खंडवा, खरगोन, उज्जैन, नीमच, मंदसौर, रतलाम, आगर-मालवा, शाजापुर और देवास में मौसम साफ रहने की संभावना है। प्रदेश में पिछले नौ दिनों के दौरान किसी भी जिले में भारी या अति भारी बारिश दर्ज नहीं की गई है। इसका असर कुल वर्षा के आंकड़ों पर भी दिखाई दे रहा है। शनिवार तक मध्य प्रदेश में सामान्य से 15 प्रतिशत कम बारिश रिकॉर्ड की गई। अब तक प्रदेश में 247 मिमी वर्षा हुई है, जबकि सामान्य आंकड़ा 291 मिमी है। पूर्वी मध्य प्रदेश में सामान्य से 26 प्रतिशत कम वर्षा दर्ज की गई है, जबकि पश्चिमी हिस्से में भी बारिश 5 प्रतिशत कम रही। सबसे अधिक वर्षा देवास जिले में रिकॉर्ड की गई है, जहां सामान्य से 102 प्रतिशत अधिक पानी गिर चुका है। मौसम विभाग के अनुसार यहां अब तक करीब 18 इंच बारिश हो चुकी है। इसके अलावा हरदा में 15 इंच, इंदौर और सीहोर में 14-14 इंच तथा भोपाल में 13.1 इंच वर्षा दर्ज की गई है।

मौसम की चेतावनी के बीच अमरनाथ और माता वैष्णो देवी यात्राएं रोकी गईं

जम्मू : मौसम विभाग की तरफ से जारी खराब मौसम की चेतावनी के बीच अधिकारियों ने एहतियात के तौर पर श्री अमरनाथ और श्री माता वैष्णो देवी यात्राओं को कुछ समय के लिए रोक दिया है। हालांकि शनिवार को भी श्री अमरनाथ यात्रा जारी रही जिसमें 16,039 तीर्थयात्रियों ने पवित्र गुफा मंदिर में दर्शन किए। इसके साथ ही 3 जुलाई को यात्रा शुरू होने के बाद से अब तक कुल तीर्थयात्रियों की संख्या 3,76,779 हो गई है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार शनिवार को पूजा करने वालों में 11,785 पुरुष तीर्थयात्री, 3,527 महिला तीर्थयात्री, 235 बच्चे, 103 साधु, 19 साध्वियां, पांच ट्रांसजेंडर श्रद्धालु और 365 सुरक्षाकर्मी शामिल थे। इस बीच, 3,632 तीर्थयात्रियों का 17वां जत्था शनिवार तड़के जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच रवाना हुआ था और कश्मीर पहुंचा। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आई एम डी) द्वारा खराब मौसम की चेतावनी जारी किए जाने के बाद अधिकारियों ने रविवार 19 जुलाई से पहलगाम और बालटाल दोनों रास्तों से अमरनाथ यात्रा को कुछ समय के लिए रोक दिया है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार यह फैसला तीर्थयात्रियों की सुरक्षा और भलाई को ध्यान में रखते हुए एहतियाती उपाय के तौर पर लिया गया है। बयान में कहा गया है कि अगले कुछ दिनों में खराब मौसम की भविष्यवाणी और तीर्थयात्रियों की सुरक्षा व भलाई को देखते हुए श्री अमरनाथजी यात्रा को 19 जुलाई 2026 से पहलगाम और बालटाल दोनों रास्तों से कुछ समय के लिए रोक दिया गया है।कश्मीर के डिविजनल कमिश्नर अंशुल गर्ग ने कहा कि रविवार से बालटाल और नुनवान/चंदनवाड़ी बेस कैंप से तीर्थयात्रियों को आगे जाने की अनुमति नहीं होगी। प्रशासन ने कहा कि यात्रा तभी फिर से शुरू होगी जब मौसम की स्थिति का पूरी तरह से आकलन कर लिया जाएगा और यह पुष्टि हो जाएगी कि दोनों रास्ते तीर्थयात्रियों के लिए सुरक्षित हैं।

जिलाधिकारी ने भलुअनी थाना का किया निरीक्षण, शिकायतों के निष्पक्ष निस्तारण के दिए निर्देश

देवरिया : उत्तर प्रदेश के जनपद देवरिया के जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने शनिवार देर रात भलुअनी थाने का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने थाना परिसर की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और विभिन्न अभिलेखों व रजिस्टरों की गहन जांच कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देशित किया कि थाने में आने वाले प्रत्येक फरियादी की शिकायत को गंभीरता और प्राथमिकता के आधार पर सुना जाए। उन्होंने कहा कि सभी मामलों में निष्पक्ष, पारदर्शी और विधिसम्मत कार्रवाई सुनिश्चित की जाए तथा किसी भी पीड़ित को अनावश्यक रूप से परेशान न किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही या शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी। जिलाधिकारी ने कहा कि थाने पर दर्ज होने वाले प्रत्येक प्रकरण का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाए, ताकि आमजन का पुलिस और प्रशासन पर विश्वास और अधिक मजबूत हो।

नेपाल सरकार ने मानसून आपदा प्रभावित क्षेत्रों में वाहनों के संचालन पर रोक लगाई

काठमांडू : बाढ़, भूस्खलन और जलभराव के बढ़ते खतरे को देखते हुए नेपाल सरकार ने मानसून से प्रभावित क्षेत्रों में वाहनों के संचालन पर रोक लगा दी है। यह फैसला ऐसे समय लिया गया है, जब राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं व्यवस्थापन प्राधिकरण ने जल तथा मौसम विज्ञान विभाग ने देश के ३५ जिलों में भारी से अत्यधिक भारी वर्षा की चेतावनी जारी किए जाने के बाद अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। प्राधिकरण के कार्यवाहक प्रमुख कार्यकारी अधिकारी प्रदीप कुमार कोइराला ने बताया कि यह निर्णय विशेष रूप से भूस्खलन और बाढ़ की आशंका वाले सड़क खंडों पर लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए लिया गया है। उन्होंने कहा कि मौजूदा जोखिम को देखते हुए हमने भूस्खलन प्रभावित जिलों में वाहनों का संचालन नहीं करने का अनुरोध किया था। आज भी वास्तविक मौसम और सड़क की स्थिति का आकलन करने के बाद ही वाहनों को चलाने की अनुमति दी जाएगी। कोइराला ने बताया कि प्राधिकरण सुरक्षा निकायों, स्थानीय प्रशासन और सड़क विभाग के साथ लगातार समन्वय बनाए हुए है। राजमार्गों और अन्य सड़कों पर वाहन संचालन की अनुमति तभी दी जाएगी, जब संबंधित अधिकारी यह सुनिश्चित कर देंगे कि परिस्थितियां पूरी तरह सुरक्षित हैं।प्राधिकरण ने आम नागरिकों से यात्रा से पहले मौसम और सड़क संबंधी आधिकारिक परामर्श का पालन करने, उच्च जोखिम वाले मार्गों पर अनावश्यक यात्रा से बचने तथा स्थानीय प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों द्वारा जारी निदेशों का पालन करने की अपील की है।

पेपर लीक के विरोध में 20 जुलाई को संसद मार्च करेगा सीजेपी, अभिजीत दीपके ने समर्थकों से की शांतिपूर्ण प्रदर्शन की अपील

नई दिल्ली : परीक्षा प्रश्नपत्र लीक के मामलों को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग पर आंदोलन कर रही कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने 20 जुलाई को जंतर-मंतर से संसद तक मार्च निकालने की घोषणा की है। पार्टी प्रमुख अभिजीत दीपके ने प्रस्तावित मार्च में बड़ी संख्या में शामिल होने के लिए समर्थकों से जंतर-मंतर पहुंचने की अपील करते हुए आंदोलन को पूरी तरह शांतिपूर्ण बनाए रखने का आह्वान किया है। दीपके ने रविवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जारी संदेश में कहा कि सभी समर्थक लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज उठाएं और किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या उकसावे से दूर रहें। उन्होंने कहा कि पार्टी का विरोध प्रदर्शन और संसद मार्च पूरी तरह शांतिपूर्ण रहेगा। उन्होंने कहा, ₹मैं सभी समर्थकों से जंतर-मंतर पहुंचने की अपील करता हूं। हमारा विरोध प्रदर्शन और मार्च पूरी तरह शांतिपूर्ण रहेगा। यदि कोई व्यक्ति किसी प्रकार की गड़बड़ी करता है या नकारात्मक नारेबाजी करता है, तो वह न तो सोनम सर (सोनम वांगचुक) का समर्थक है और न ही सीजेपी का। गौरतलब है कि पर्यावरणविद् सोनम वांगचुक पिछले 20 दिनों से जंतर-मंतर पर अनशन कर रहे थे। शनिवार सुबह उनकी तबीयत बिगड़ने पर दिल्ली पुलिस ने उन्हें उपचार के लिए सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया। इस घटनाक्रम के बाद आंदोलन को लेकर राजनीतिक गतिविधियां और तेज हो गई हैं। इस बीच दिल्ली पुलिस ने सीजेपी के सोशल मीडिया अभियान और प्रस्तावित प्रदर्शन से जुड़े कुछ मामलों में भी कार्रवाई की है। राजधानी में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है और पुलिस स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है। सीजेपी के नेतृत्व में जंतर-मंतर पर जारी धरना-प्रदर्शन का मुख्य उद्देश्य परीक्षा प्रश्नपत्र लीक की घटनाओं की निष्पक्ष जांच, दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई तथा केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग है। पार्टी का आरोप है कि लगातार हो रही परीक्षा अनियमितताओं से लाखों छात्रों का भविष्य प्रभावित हुआ है और सरकार इस मुद्दे पर जवाबदेही तय करने में विफल रही है। इसी क्रम में सीजेपी ने 20 जुलाई को जंतर-मंतर से संसद तक मार्च निकालने का आह्वान किया है। पार्टी का कहना है कि यह मार्च पूरी तरह शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से आयोजित किया जाएगा तथा सभी कार्यकर्ताओं और समर्थकों से कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की गई है।

शिमला में गहरी खाई में गिरी कार, दो लोगों की मौत

शिमला : शिमला जिले के चौपाल उपमंडल में रविवार को एक सड़क हादसे में दो लोगों की जान चली गई। नेरवा तहसील के ग्राम पंचायत पुजारली के दोछी के पास किरी-नाव सड़क पर एक अल्टो कार (एचपी08ए-8441) अनियंत्रित होकर करीब 100 से 200 मीटर गहरी खाई में जा गिरी। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि कार में सवार दोनों लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान नरेश कुमार (35) पुत्र अनंत राम, निवासी गांव दोछी, तहसील नेरवा और जितेन्द्र पुत्र धाजू राम, निवासी चाडचधार (धबास क्षेत्र) के रूप में हुई है। नरेश कुमार लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) में मल्टीटास्क कर्मचारी के तौर पर कार्यरत थे। हादसे की सूचना मिलते ही इलाके में शोक की लहर फैल गई। दुर्घटना की जानकारी मिलने के बाद नेरवा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से दोनों शवों को गहरी खाई से बाहर निकाला गया। इसके बाद शवों को आगे की कानूनी प्रक्रिया के लिए भेज दिया गया। पुलिस ने दुर्घटना के संबंध में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शुरूआती जानकारी के अनुसार कार सड़क से फिसलकर गहरी खाई में गिरी। दुर्घटना किन परिस्थितियों में हुई, इसका पता लगाने के लिए पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

मप्र: जगदीशपुर में आज कैबिनेट बैठक, यूसीसी के प्रस्ताव को मिलेगी मंजूरी

भोपाल : मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में आज रविवार को जगदीशपुर (पुराना इस्लामनगर) में कैबिनेट बैठक होगी, जिसमें समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के ड्राफ्ट को मंजूरी मिल सकती है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री डॉ. यादव जगदीशपुर से 10.54 लाख किसानों के खातों में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की राशि 1460.25 करोड़ अंतरित करेंगे। इसी दिन जगदीशपुर में मंत्रि-परिषद की बैठक भी होगी। जनसम्पर्क अधिकारी अवनीश सोमकुअर ने शनिवार को जानकारी देते हुए बताया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के आरंभ वर्ष से वर्ष 2024-25 तक 30,942.34 करोड़ रुपये का भुगतान प्रभावित कृषकों को किया गया है।

मंत्री अरविंद शर्मा ने झाड़ू लगाकर किया 76 दिवसीय वार्ड प्रवास कार्यक्रम की शुरूआत

एजेंसी

वाराणसी : वाराणसी में रविवार को सूरजकुंड वार्ड में नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री अरविंद कुमार शर्मा ने 76 दिवसीय वार्ड प्रवास कार्यक्रम की शुरूआत किया। वाराणसी दक्षिणी विधानसभा में विधायक डॉ नीलकंठ तिवारी की योजना से 76 दिवसीय वार्ड प्रवास के शुभारम्भ पर मुख्य अतिथि रहे मंत्री अरविंद कुमार शर्मा ने झाड़ू लगाया और स्थानीय लोगों को स्वच्छता का संदेश दिया। वार्ड प्रवास कार्यक्रम के शुभारंभ के अवसर पर बड़ी संख्या में उपस्थित भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच मंत्री अरविंद कुमार शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जन-जन को स्वच्छता के कार्य से जोड़ने के लिए झाड़ू उठाने का जो कार्य किया था, उसी को आगे बढ़ाते हुए हम स्वच्छता कार्य में जुटे हुए हैं। विश्व पटल पर आज वाराणसी की तस्वीर बदली हुई दिखाई देती है, इसका एक प्रमुख कारण यहां का स्वच्छ वातावरण भी है। विधायक डॉ नीलकंठ तिवारी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की प्रेरणा और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के

मार्गदर्शन में विगत वर्षों की तरह इस वर्ष भी निर्वाचन क्षेत्र दक्षिणी विधानसभा में 76 दिवसीय वार्ड प्रवास का कार्यक्रम आज से प्रारंभ किया गया है। कार्यक्रम में पधारे मुख्य अतिथि मंत्री अरविंद कुमार शर्मा ने इस कार्यक्रम का शुभारंभ किया है। आने वाले दिनों में प्रतिदिन एक वार्ड में हम वहां के स्थानीय लोगों और भाजपा के कार्यकर्ताओं के साथ स्वच्छता कार्य को करते हुए दिखेंगे। इस अवसर पर भाजपा के विभिन्न वार्डों से आए पार्षदगण, भाजपा नेत्री साधना वेदांती, अशोक यादव, अंकुर महरोत्रा सहित नगर निगम कर्मियों का रहना हुआ।

तेज रफ्तार मैजिक की चपेट में आए बुलेट सवार, दो युवकों की मौत

वाराणसी : उत्तर प्रदेश में वाराणसी के राजातालाब थाना क्षेत्र अंतर्गत वीरभानपुर-ओदार स्थित एक पेट्रोल पंप के समीप शनिवार देर शाम तेज रफ्तार मैजिक वाहन की टक्कर से बुलेट सवार दो युवकों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और तीनों को तत्काल अस्पताल भिजवाया। जहां चिकित्सकों ने दो युवकों को मृत घोषित कर दिया, जबकि तीसरे का इलाज जारी है। मिली जानकारी के अनुसार, वीरभानपुर निवासी जमाल (26), शाहिद (20) और मोहम्मद आमिर (20) शनिवार देर शाम बुलेट से अपने घर लौट रहे थे। जैसे ही वे राजातालाब-जंसा मार्ग पर ओदार स्थित पेट्रोल पंप के पास पहुंचे, सामने से आ रहे तेज रफ्तार मैजिक वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद तीनों युवक गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े। घटना की सूचना मिलते ही राजातालाब पुलिस चौकी प्रभारी राजेश मौर्य पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में चिकित्सकों ने जमाल और शाहिद को मृत घोषित कर दिया, जबकि मोहम्मद आमिर की हालत गंभीर बनी हुई है और उसका उपचार जारी है। घटना की सूचना मिलते ही मृतकों और घायल युवक के परिजन अस्पताल पहुंच गए। दोनों युवकों की मौत से परिवार में कोहराम मच गया।

काशी भारत की सनातन चेतना का शाश्वत प्रकाश यहाँ कण-कण में शिव का वास : रेखा गुप्ता

अपने जन्मदिन पर दिल्ली की मुख्यमंत्री ने बाबा विश्वनाथ और काल भैरव के दरबार में लगाईं हाजिरी

एजेंसी

वाराणसी : दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अपने जन्मदिन पर रविवार को यहां काशी पुराधिपति बाबा विश्वनाथ और काशी के कोतवाल बाबा कालभैरव के दरबार में परिजनों के साथ विधिवत हाजिरी लगाई। दो दिवसीय काशी प्रवास पर आईं मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दोनों मंदिरों में विधि विधान से दर्शन पूजन के बाद दिल्ली सहित पूरे देश में सुख समृद्धि की कामना कीं। काशी के दोनों मंदिरों में दर्शन पूजन के बाद मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अपने अधिकृत सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा कि आज, अपने जन्मदिन पर, मुझे शाश्वत, अविनाशी और मोक्ष प्रदान करने वाली काशी में बाबा श्री काशी विश्वनाथ और काशी के कोतवाल श्री काल भैरव के पवित्र चरणों में दर्शन और पूजा करने का परम सौभाग्य प्राप्त हुआ। काशी भारत

की सनातन चेतना का शाश्वत प्रकाश है। यहाँ कण-कण में शिव का वास है, हर श्वास में भक्ति है और हर कदम पर आध्यात्मिकता का स्पंदन महसूस होता है। बाबा विश्वनाथ की कृपा और काल भैरव जी का संरक्षण अनादि काल से इस पवित्र भूमि और इसके भक्तों की शक्ति रहे हैं। मैं बाबा विश्वनाथ और श्री काल भैरव जी से प्रार्थना करता हूँ कि वे सभी पर अपनी असीम कृपा बनाए रखें, सबको सुख, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और खुशहाली का आशीर्वाद दें, और भारत निरंतर वैभव, गौरव और नई उपलब्धियों के शिखर को छूता रहे। इसके पहले मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के जन्मदिन पर वाराणसी के सांसद और देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी बधाई दी है। उन्होंने अपने अधिकृत सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा कि ₹दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को जन्मदिन की शुभकामनाएं। दिल्ली के विकास को बढ़ावा देने और लोगों के लिए 'जीवन को आसान बनाने' की दिशा में उनके प्रयास सराहनीय हैं। उनके लंबे जीवन और अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता हूं।

नेपाल की जनता को नुकसान देने वाले फैसले रातोंरात बदले जाएंगे : लामिछाने

एजेंसी

काठमांडू : नेपाल में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय स्वतन्त्र पार्टी (आरएसपी) के अध्यक्ष रवि लामिछाने ने कहा है कि यदि सरकार के किसी फैसले से जनता को बड़ा नुकसान होता है, तो उसे रातोंरात बदला जा सकता है। उन्होंने जनता से अपील करते हुए कहा कि यह कोई अपरिवर्तनीय नीति नहीं है। जरूरत पड़ने पर बदलाव किया जाएगा। सरकार को थोड़ा समय और धैर्य दीजिए। लामिछाने ने कहा कि सरकार जिस उद्देश्य से निर्णय लेती है, यदि वही निर्णय जनता के लिए नुकसानदायक

साबित होता है, तो उसे बदला जाएगा। इसमें चिंता की कोई बात नहीं है, लेकिन हमें सरकार को थोड़ा समय देना होगा। उन्होंने आगे कहा कि कई बार किसी नीति को लागू करने के दौरान व्यावहारिक कठिनाइयां सामने आती हैं। यदि किसी निर्णय से व्यापक नुकसान होता है, तो उसे तत्काल बदलना आवश्यक हो जाता है। पार्टी के सांसदों, नेताओं और कार्यकर्ताओं ने रविवार को सीमा क्षेत्र के लोगों को सरकार के हालिया फैसलों, विशेषकर 100 रुपये की सीमा और अन्य प्रावधानों के कारण हो रही परेशानियों से अवगत कराया। उन्होंने इन मुद्दों के समाधान के लिए रवि लामिछाने से पहल करने का आग्रह किया।कार्यकर्ताओं की शिकायतें सुनने के बाद लामिछाने ने प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह का बचाव करते हुए कहा कि सरकार की मंशा गलत नहीं है। उन्होंने कहा, ₹निर्णयों में गलती हो सकती है और उन्हें सुधारा जा सकता है, लेकिन यदि नीयत ही खराब हो, तो उसे सुधारना कठिन होता है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि यदि किसानों के हित में लिया गया कोई निर्णय व्यवहार में

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व यात्रा से लौटा विशेष दल, पहुंचा उत्तराखंड

एजेंसी

देहरादून : उत्तराखंड से गुजरात के सोमनाथ धाम के लिए रवाना हुए सोमनाथ स्वाभिमान पर्व यात्रा के श्रद्धालुओं का दल रविवार सुबह हरार्वाला रेलवे स्टेशन पहुंच गया। इसके साथ ही कई दिनों तक चली धार्मिक एवं सांस्कृतिक यात्रा का समापन हो गया। यात्रा से लौटे अधिकांश श्रद्धालु हरार्वाला से हरिद्वार रेलवे स्टेशन पहुंचे, जहां से कुमाऊं और गढ़वाल मंडल के विभिन्न पर्वतीय जिलों सहित हरिद्वार जनपद के यात्री अपने-अपने गंतव्य के लिए रवाना हुए। पतंजलि, गायत्री तीर्थ शांतिकुंज तथा परमार्थ निकेतन से जुड़े तीर्थयात्री भी हरिद्वार से अपने गंतव्यों के लिए प्रस्थान कर गए। श्रद्धालुओं ने बताया कि यात्रा के दौरान उन्हें सोमनाथ मंदिर, राम मंदिर, गीता मंदिर (श्री गोलोकधाम तीर्थ), बाणगंगा, भालका तीर्थ, त्रिवेणी संगम और सोमनाथ संग्रहालय सहित विभिन्न धार्मिक एवं ऐतिहासिक स्थलों के दर्शन का अवसर मिला। हरेला पर्व के अवसर पर श्रद्धालुओं ने शारदा पीठ परिसर में पौधरोपण भी किया। श्रद्धालुओं ने यात्रा के सफल आयोजन के लिए गुजरात सरकार तथा उत्तराखंड सरकार के संस्कृति विभाग के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस यात्रा का हिस्सा बनना उनके लिए अविस्मरणीय और आध्यात्मिक रूप से संतोषप्रद अनुभव रहा।

सीएमडीसी-जेएनएआरडीडीसी का ऐतिहासिक समझौता, छत्तीसगढ़ बनेगा क्रिटिकल मिनरल्स अनुसंधान का नया केंद्र

एजेंसी

रायपुर : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'क्रिटिकल मिनरल मिशन' और 'आत्मनिर्भर भारत' के संकल्प को नई मजबूती देते हुए छत्तीसगढ़ ने खनिज क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। छत्तीसगढ़ मिनरल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड (सीएमडीसी) और जवाहरलाल नेहरू एल्युमिनियम अनुसंधान, विकास एवं डिजाइन केंद्र (जेएनएआरडीडीसी), नागपुर के बीच शनिवार देर शाम को हुए ऐतिहासिक समझौता ज्ञापन (एमओयू) से राज्य में क्रिटिकल मिनरल्स के वैज्ञानिक अनुसंधान, मूल्य संवर्धन और आधुनिक खनन तकनीकों को नई गति मिलेगी। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में संपन्न इस समझौते को प्रदेश की खनिज संपदा के वैज्ञानिक एवं सतत उपयोग की दिशा में मील का पत्थर माना जा रहा है। एमओयू के माध्यम से दोनों संस्थाएं खनिज संसाधनों के अनुसंधान, उन्नत तकनीक के विकास, मूल्य संवर्धन और क्रिटिकल मिनरल्स की खोज एवं उपयोग के क्षेत्र में संयुक्त रूप से कार्य करेंगी। इससे राज्य की खनिज क्षमता का बेहतर दोहन होने के साथ औद्योगिक विकास,

निवेश और रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। एमओयू आदान-प्रदान कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं भारतीय खान ब्यूरो के कंट्रोलर जनरल तथा जेएनएआरडीडीसी के निदेशक पंकज कुलश्रेष्ठ ने कहा कि अनुसंधान आधारित खनिज विकास, तकनीकी नवाचार और संस्थागत सहयोग ही भविष्य के खनन क्षेत्र की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह साझेदारी प्रदेश और देश के खनिज क्षेत्र को दीर्घकालिक लाभ पहुंचाएगी। भारतीय खान ब्यूरो के कंट्रोलर ऑफ माइंस डॉ. बी.एल. गुर्जर ने सीएमडीसी और खनिज साधन विभाग के बीच बेहतर समन्वय की सराहना करते हुए कहा कि दोनों संस्थाओं की साझेदारी से छत्तीसगढ़ में खनिज विकास को नई गति मिली है। इस अवसर पर सीएमडीसी के महाप्रबंधक यू.के. कुरैशी ने निगम की 25 वर्षों की विकास यात्रा, प्रमुख उपलब्धियों, संचालित खनिज परियोजनाओं और भावी कार्ययोजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि राज्य की समृद्ध खनिज संपदा के वैज्ञानिक एवं समावेशी उपयोग के लिए निगम लगातार आधुनिक तकनीकों को अपनाते हुए कार्य कर रहा है। रीजनल कंट्रोलर ऑफ माइंस प्रेम प्रकाश ने सीएमडीसी की टिन एवं कोरंडम परियोजनाओं की सराहना करते हुए कहा कि इन परियोजनाओं ने स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन के साथ पारदर्शी एवं वैधानिक खनन व्यवस्था को भी मजबूत किया है।

जेएनएआरडीडीसी के वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक एवं विभागाध्यक्ष डॉ. उपेंद्र सिंह ने बताया कि

जमशेदपुर की संताली फिल्म 'आंगेन' को राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार रविराज मुर्मू को 'बेस्ट डेब्यू फिल्म ऑफ ए डायरेक्टर' का सम्मान

जमशेदपुरः नयी दिल्ली में शनिवार को 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार की घोषणा के साथ झारखंड और जमशेदपुर ने भारतीय सिनेमा के इतिहास में एक नयी उपलब्धि दर्ज की है। गैर-फीचर फिल्म श्रेणी में जमशेदपुर में निर्मित संताली लघु फिल्म 'आंगेन' (इन्विजिबल) को 'बेस्ट डेब्यू फिल्म ऑफ ए डायरेक्टर' के प्रतिष्ठित राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान फिल्म के निर्माता-निर्देशक रविराज मुर्मू को मिला है। इस उपलब्धि ने न केवल संताली सिनेमा, बल्कि झारखंड की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और स्थानीय प्रतिभाओं को राष्ट्रीय स्तर पर नयी पहचान दिलायी है।

रवि राज मुर्मू मूल रूप से जादूगोड़ा के रहने वाले हैं, उन्होंने जमशेदपुर के करीम सिटी कॉलेज के मास कम्युनिकेशन (वीडियो प्रोडक्शन) विभाग से वर्ष 2011-14 सत्र में अपनी पढ़ाई पूरी की है। इसके बाद फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एफटीआइआइ) , पुणे से संपादन (एडिटिंग) में विशिष्टता के साथ स्नातक की डिग्री हासिल की। कुछ वर्षों तक मुंबई में काम करने के बाद वर्तमान में वे जमशेदपुर के सोनारी में रहकर सिनेमाई कला को समृद्ध कर रहे हैं।

जमशेदपुर से इलाकों में की गयी है फिल्म की शूटिंगः करीब 12 मिनट की इस लघु फिल्म की सबसे बड़ी खासियत इसकी मौलिकता और स्थानीय परिवेश है। फिल्म की शूटिंग जमशेदपुर से सटे आदिवासी बहुल क्षेत्रों करनडीह, तुरामडीह, छोलागोड़ा और किनुटोला में की गयी है। ग्रामीण परिवेश, प्राकृतिक सौंदर्य और स्थानीय जीवनशैली को फिल्म में बेहद संवेदनशील और प्रामाणिक तरीके से प्रस्तुत किया गया है। फिल्म में रामचंद्र मार्डी, सलोनी, जीतराय हांसदा और फूलमनी ने सशक्त अभिनय से कहानी को जीवंत बनाया है।

संताली लोककथा पर आधारित है 'आंगेन' की कहानीः 'आंगेन' की कहानी संताली लोककथाओं और आदिवासी सांस्कृतिक परंपराओं से प्रेरित है। निर्देशक रविराज मुर्मू के अनुसार, आदिवासी समाज की लोककथाओं में इतिहास, संस्कृति, संघर्ष और जीवन-दर्शन की गहरी छाप मिलती है। फिल्म की कहानी धरती और देवलोक के बीच बुनी गयी है, जहां देवलोक की एक अलौकिक युवती को धरती के एक चरवाहे से प्रेम हो जाता है। वह उसे अपनी दिव्य शक्तियों से देवलोक ले जाती है, लेकिन सम्मोहन टूटने के बाद चरवाहे के धरती पर लौटने के संघर्ष के साथ कहानी कई भावनात्मक और रोमांचक मोड़ लेती है।

सुरीले संगीत और उत्कृष्ट टीम वर्क ने दिलायी राष्ट्रीय पहचानः फिल्म को इस मुकाम तक पहुंचाने में इसके बेजोड़ संगीत का बहुत बड़ा योगदान रहा है। जाने माने साहित्यकार, गीतकार और लोकगायक दुर्गाप्रसाद मुर्मू ने इस फिल्म की जादुई धुन तैयार की है, जबकि नुनाराम ने फिल्म में बेहतरीन संगीत दिया है। फिल्म के संगीत निर्देशन की कमान निशांत राम टेके ने संभाली है। इस राष्ट्रीय पुरस्कार ने यह साबित कर दिया है कि जब झारखंड के स्थानीय हुनर को सही दिशा मिलती है, तो वे देश के सबसे बड़े मंच पर अपनी चमक बिखेरने में पूरी तरह सक्षम हैं।

यह विभाग के लिए गौरव की बात है : डॉ नेहा तिवारी इस ऐतिहासिक सफलता पर करीम सिटी कॉलेज मास कम्युनिकेशन विभाग की विभागाध्यक्ष (एचओडी) डॉ नेहा तिवारी ने कहा कि यह विभाग के लिए बेहद गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि रवि मुर्मू कॉलेज में अध्ययन के दौरान उसने खूब सारी सिनेमाई कृतियों को देखा और खुद फिल्में बनाना शुरू किया। आज वह इसी मेहनत के बल पर इस मुकाम तक पहुंचा है गर्व की बात यह है कि रवि राज ने अपनी मातृभाषा संथाली में सिनेमा बनाया है। पूरी उम्मीद है कि वह आने वाले दिनों में संथाली भाषा के सिनेमा को दुनिया भर के मंचों पर स्थापित करेंगे।

ओडिशा में हाइवा दुर्घटना में टूटी युवक की पेल्विक हड्डी, डॉक्टरों ने जटिल ऑपरेशन कर दी नयी जिंदगी

संवाददाता

जमशेदपुरः एमजीएम अस्पताल के ऑर्थोपेडिक विभाग के डॉक्टरों ने शुक्रवार को प्यूबिक सिम्फिसिस (पेल्विक जोड़) टूटने और अलग होने (डायस्टेसिस) जैसी जटिल चोट का सफल ऑपरेशन कर एक युवक को नयी जिंदगी दी है। आयुष्मान भारत योजना के तहत यह पूरी सर्जरी निःशुल्क की गयी। फिलहाल मरीज की स्थिति में तेजी से सुधार हो रहा है।डुमरिया के काटाकाटी निवासी 32 वर्षीय महेश्वर पेशे से हाइवा चालक है।

बीते 27 मई को ओडिशा के अंगुल के पास हाइवा की चपेट में आने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया था। दुर्घटना में उसके पेल्विक जोड़ की हड्डियां बीच से अलग हो गयी थीं, जिससे उसका

चलना-फिरना पूरी तरह बंद हो गया था। कई अस्पतालों में इलाज का प्रयास करने के बाद भी सफलता नहीं मिलने पर परिजन उसे एमजीएम अस्पताल लेकर पहुंचे। एमजीएम अस्पताल के अधीक्षक डॉ बलराम झा के निर्देश पर ऑर्थो विभाग के एचओडी डॉ वाई सांगा के नेतृत्व में ऑर्थो और एनेस्थीसिया विभाग के डॉक्टरों की एक विशेष टीम गठित की गयी। डॉ वाई सांगा ने बताया कि आमतौर पर ऐसे मामलों में तीन सप्ताह के भीतर ऑपरेशन करना जरूरी होता है, लेकिन मरीज करीब डेढ़ महीने तक अस्पतालों के चक्कर लगाता रहा। पुराना मामला होने के कारण ऑपरेशन काफी चुनौतीपूर्ण और जोखिम भरा था, लेकिन टीम ने इसे सफलतापूर्वक अंजाम दिया। उन्होंने बताया कि इसके लिए पहले एक्स-रे और सीटी स्कैन के माध्यम से जोड़ के खिसकने की सटीक माप की गयी। उसके बाद हड्डियों को उसकी सही जगह पर लाया गया और धातु की मजबूत प्लेट व स्क्रू की मदद से उसे स्थायी रूप से स्थिर कर दिया गया।

डॉक्टरों के अनुसार, निजी अस्पतालों में इस तरह के जटिल और एडवांस ऑपरेशन के लिए कम से कम 2 लाख रुपये का खर्च आता है। लेकिन, एमजीएम अस्पताल में आयुष्मान योजना के तहत गरीब मरीज का यह सफल ऑपरेशन बिल्कुल मुफ्त किया गया। ऑपरेशन के बाद अब फिजियोथेरेपी के जरिये मरीज के कूल्हे की ताकत और गति को वापस लाने का प्रयास किया जायेगा।

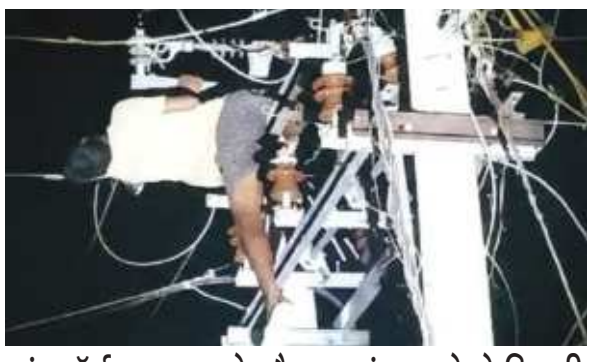

ट्रांसफॉर्मर मरम्मत के दौरान करंट लगने से बिजली मिस्त्री की मौत, विभागीय लापरवाही का आरोप

मेट्रोरेज संवाददाता

तरहसी/पलामूः तरहसी प्रखंड के परसावां गांव निवासी बिजली मिस्त्री सत्येंद्र मेहता की परसाई ग्रिड अंतर्गत सुखरो-सेलारी गांव में ट्रांसफॉर्मर की मरम्मत के दौरान करंट लगने से शनिवार को दर्दनाक मौत हो गई। बताया गया कि मरम्मत कार्य के दौरान अचानक बिजली आपूर्ति चालू हो जाने से वे करंट की चपेट में आ गए और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। घटना के बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जुट गए। मृतक के परिजनों ने बिजली विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए उचित मुआवजा और दोषी अधिकारियों-कर्मचारियों पर कार्रवाई की मांग की। जनप्रतिनिधि की ओर से उनके प्रतिनिधियों ने मौके पर पहुंचकर अधिकारियों से बात की, जिसके बाद शव को पोल से उतरवाया गया। सूत्रों के अनुसार विभागीय अधिकारियों ने पीड़ित परिवार को मुआवजा देने तथा मामले की जांच कर दोषियों पर कार्रवाई का आश्वासन दिया है ।घटना से पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल है।

विशेष लोक अदालत में 16 चेक बाउंस मामलों का हुआ निस्तारण

20.41 लाख की समझौता राशि पर बनी सहमति

साहिबगंजः राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण,नई दिल्ली एवं झारखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार,रांची के निदेर्शानुसार और माननीय प्रधान जिला और सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष,जिला विधिक सेवा प्राधिकार अखिल कुमार के मार्गदर्शन में आज शनिवार को चेक बाउंस परक्राम्य लिखत अधिनियम मामलों के त्वरित एवं सौहार्दपूर्ण निस्तारण के लिए विशेष लोक अदालत का आयोजन किया गया जिसके संचालन हेतु साहेबगंज एवं राजमहल में विभिन्न न्यायालयों में विशेष बेंचों का गठन किया गया।साहेबगंज व्यवहार न्यायालय में गठित बेंचों के पीठासीन पदाधिकारी अभिषेक प्रसाद, एसीजेएम-सह-सिविल जज सीनियर डिवीजनक एवं तुषार आनंद,एसडीजेएम,साहिबगंज ने की। इनके साथ सदस्य के रूप में एलएडीसी और पैनल अधिवक्ता ने सहभागिता निभाई।अनुमंडल न्यायालय,राजमहल में भी विशेष लोक अदालत का आयोजन किया गयाविशेष लोक अदालत में कुल 36 मामलों को प्रस्तुत किया गया,जिनमें से 16 मामलों का सफलतापूर्वक निस्तारण किया गया।इन मामलों में कुल बीस लाख इकतालीस हजार रुपये की समझौता राशि पर पक्षकारों के बीच सहमति बनी।प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष अखिल कुमार ने कहा कि लोक अदालत न्याय प्राप्ति का सरल,सस्ता एवं प्रभावी माध्यम है।उन्होंने पक्षकारों से भविष्य में भी लोक अदालत के माध्यम से अपने विवादों का सौहार्दपूर्ण समाधान कराने की अपील की।इस अवसर पर प्राधिकार के सचिव विश्वनाथ भगत न्यायिक पदाधिकारियों,एलएडीसी टीम,पैनल अधिवक्ताओं,न्यायालय कर्मियों एवं अधिवक्ताओं ने विशेष लोक अदालत के सफल आयोजन में सक्रिय योगदान दिया।

सांसद विष्णु दयाल राम की पहल

पलामू संसदीय क्षेत्र की पांच महत्वपूर्ण जर्जर सड़कों का किया जाएगा निर्माण

मेट्रोरेज संवाददाता

मेदिनी नगरः श्री राम ने बताया कि पलामू संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत पलामू एवं गढ़वा जिले की पांच महत्वपूर्ण जर्जर सड़कों का निर्माण कराया जाएगा। बहुत जल्द पथ निर्माण विभाग के अभियंताओं की टीम संबंधित सड़कों का स्थलीय निरीक्षण करेंगे, जिसके बाद निर्माण कार्य की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी।

उल्लेखनीय है कि माननीय सांसद श्री राम ने पत्रांक 380/डीएलआई दिनांक 24 मार्च 2026 के माध्यम से पथ निर्माण विभाग, झारखंड सरकार के प्रधान सचिव श्री सुनील कुमार को पत्र लिखकर क्षेत्र की इन जर्जर सड़कों के निर्माण की अनुशंसा की थी। उक्त निर्माण हेतु प्रस्तावित सड़कें निम्नलिखित हैं–

पलामू जिला

1। एनएच-139 (पुराना एनएच-98) हरिहरगंज दुबटिया मोड़ से वाया पीपरा होते हुए पीडब्ल्यूडी रोड, हुसैनाबाद तक लगभग 22 किलोमीटर सड़क का निर्माण।

2। चेचरिया से जमडीहा, करकट्टा होते हुए बसरिया वाया जोगा तक लगभग 13 किलोमीटर सड़क का निर्माण।

3। जपला-छतरपुर से मझौली, पीपरा बाजार, वाया सरहू, झगराखांड, हसनपुर, मधुबाना तक लगभग 15 किलोमीटर सड़क का निर्माण।

गढ़वा जिला

4। परों से कुरून, तिहारो, हरता, चपलसी होते हुए पाट फकीराडीह तक लगभग 24 किलोमीटर सड़क का निर्माण।

5। पनघटवा-टाटीदीरी- मार्च -धुरकी तक लगभग 13 किलोमीटर सड़क का निर्माण।

उपरोक्त सड़कों के निर्माण से जनता को आवागमन में हो रही कठिनाइयों से राहत मिलेगी। साथ ही ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों की बेहतर संपर्क व्यवस्था सुनिश्चित होगी।

साइकिल मिलने से विद्यार्थियों का बचेगा समय,आवागमन होगा सुगम : बासुकीनाथ

उन्नति का पहिया योजना के तहत कक्षा आठवीं के छात्र-छात्राओं के बीच साइकिल वितरण

साहिबगंजः सदर प्रखंड कार्यालय परिसर में शनिवार को झारखंड सरकार की उन्नति का पहिया योजना के तहत कक्षा आठवीं के छात्र-छात्राओं के बीच साइकिल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया।कार्यक्रम में प्रखंड विकास पदाधिकारी सह अंचलाधिकारी बासुकीनाथ टुडू व प्रखंड कल्याण पदाधिकारी शशि कुमार राय ने पात्र विद्यार्थियों को साइकिलें वितरित कीं।प्रखंड कल्याण पदाधिकारी शशि कुमार राय ने बताया कि 2026-2027 योजना

के तहत सदर प्रखंड में 1,916 विद्यार्थियों को साइकिल उपलब्ध कराने का लक्ष्य निर्धारित है जिसमें अब तक 873 विद्यार्थियों को साइकिल वितरित की जा चुकी है।इस मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी बासुकीनाथ टुडू ने बताया कि योजना का उद्देश्य दूर-दराज के क्षेत्रों में रहने वाले विद्यार्थियों को विद्यालय आने-जाने में सुविधा उपलब्ध कराना उनकी नियमित उपस्थिति बढ़ाना और शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करना है।साइकिल मिलने से विद्यार्थियों का समय बचेगा आवागमन सुगम होगा और वे नियमित रूप से अपनी पढ़ाई जारी रख सकेंगे।मौके पर संबंधित विद्यालयों के शिक्षक,अभिभावक एवं स्कूल के छात्र छात्राए उपस्थित थे।

खनन माफिया बेखौफ, प्रशासन बेखबर?

बीच सड़क पर चल रहा अवैध उत्खनन, कार्रवाई पर उठे सवाल

कोडरमः जिले के डोमचांच प्रखंड अंतर्गत मसनोडीह पंचायत के पंचगावां मौजा स्थित कंजियाडीह जंगल में कथित रूप से दिनदहाड़े अवैध ढिबरा उत्खनन का कारोबार धड़ल्ले से संचालित होने का मामला सामने आया है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार सत्यम नामक एक कथित खनन संचालक सरकारी योजना के तहत बने गाय शेड की आड़ में ढिबरा का अवैध उत्खनन कर उसका भंडारण एवं बिक्री कर रहा है। बताया जाता है कि ग्रामीणों के आवागमन वाली सड़क के किनारे ही यह गतिविधि खुलेआम चल रही है, जिससे स्थानीय लोगों में भी नाराजगी है। लोगों का कहना है कि जिले में अवैध खनन रोकने के लिए उपायुक्त, पुलिस अधीक्षक एवं वन प्रमंडल पदाधिकारी की अध्यक्षता में नियमित रूप से खनन टास्क फोर्स की बैठकें होती हैं और सख्त निर्देश भी जारी किए जाते हैं।

मुख्यमंत्री मईयां सम्मान योजना

महिलाओं के सपनों को मिल रहे नए पंख, आत्मनिर्भर बन रहा कोडरमा

मेट्रो रेज संवाददाता

कोडरमाः आर्थिक रूप से सशक्त महिला ही एक मजबूत परिवार और समृद्ध समाज की आधारशिला होती है। इसी सोच को साकार करते हुए झारखंड सरकार की मुख्यमंत्री मईयां सम्मान योजना जिले की हजारों महिलाओं के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला रही है। योजना के तहत मिलने वाली नियमित आर्थिक सहायता केवल एक वित्तीय सहयोग नहीं, बल्कि महिलाओं के आत्मविश्वास, आत्मसम्मान और आत्मनिर्भरता की नई शुरूआत बन रही है। कोडरमा जिले की अनेक महिलाओं ने इस सहायता राशि का उपयोग स्वरोजगार शुरू करने, छोटे व्यवसाय का विस्तार करने तथा परिवार की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ करने में किया है। आज ये महिलाएं न केवल अपने परिवार की आय बढ़ा रही हैं, बल्कि अन्य महिलाओं के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बन रही हैं।

रीना देवी (चंदवारा): सपनों को मिली नई उड़ान चंदवारा प्रखंड की रीना देवी पहले बेरोजगार थीं। मुख्यमंत्री मईयां सम्मान योजना से मिलने वाली राशि को उन्होंने बचाकर कपड़ों की दुकान शुरू की। धीरे-धीरे उनका व्यवसाय बढ़ा और आज वे आत्मनिर्भर होकर अपने परिवार की आर्थिक जिम्मेदारियों में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। रीना देवी कहती हैं कि यह योजना उनके लिए नई शुरूआत का माध्यम बनी है और अब उनका लक्ष्य अपने व्यवसाय का और विस्तार करना है।

गायत्री देवी (चंदवारा): छोटे कदम से बड़ी सफलता : गायत्री देवी ने योजना से प्राप्त राशि का उपयोग किराना दुकान शुरू करने में किया। आज उनकी दुकान से नियमित आय हो रही है, जिससे परिवार की जरूरतें आसानी से पूरी हो रही हैं। उनका कहना है कि इस योजना ने उन्हें आत्मविश्वास दिया और अपने पैरों पर खड़े होने का अवसर प्रदान किया।

पूजा देवी (जयनगर): मिली नई पहचान जयनगर की पूजा देवी के पास पहले कोई स्थायी रोजगार नहीं था। योजना की सहायता से उन्होंने राशन दुकान का संचालन शुरू किया। आज वे सम्मानपूर्वक अपना व्यवसाय चला रही हैं और परिवार का भरण-पोषण स्वयं कर रही हैं। उनके लिए यह योजना आर्थिक सहायता के साथ सामाजिक सम्मान का भी आधार बनी है।

सीमा देवी (जयनगर): बढ़ा व्यवसाय, बढ़ी आय सीमा देवी पहले से पूजा सामग्री और सब्जी की छोटी दुकान चलाती थीं। मुख्यमंत्री मईयां सम्मान योजना से प्राप्त राशि से उन्होंने अपने व्यवसाय में अतिरिक्त पूंजी लगाई, जिससे दुकान का विस्तार हुआ और आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। आज उनका व्यवसाय पहले की तुलना में कहीं अधिक सशक्त और स्थिर हो चुका है।

नंदनी कुमारी (मरकच्चो): स्थानीय उत्पादन से आत्मनिर्भरता

मरकच्चो की नंदनी कुमारी ने योजना की सहायता से साबुन निर्माण कार्य को आगे बढ़ाया। आज वे स्थानीय स्तर पर गुणवत्तापूर्ण साबुन का उत्पादन कर रही हैं। इससे न केवल उनकी आय बढ़ी है, बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी सृजित हो रहे हैं। उनका मानना है कि यह योजना महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने का वास्तविक अवसर प्रदान कर रही है।

टुनी कुमारी (मरकच्चो): मेहनत और योजना का सफल संगम

टुनी कुमारी ने योजना से मिलने वाली राशि को पूंजी के रूप में जोड़कर राशन दुकान की शुरूआत की। आज उनका व्यवसाय लगातार आगे बढ़ रहा है और परिवार की आर्थिक स्थिति पहले से कहीं अधिक मजबूत हुई है। वे भविष्य में अपने व्यवसाय का और विस्तार करने की योजना बना रही हैं।

बदल रही है महिलाओं की तस्वीर : मुख्यमंत्री मईयां सम्मान योजना ने कोडरमा जिले में महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में उल्लेखनीय भूमिका निभाई है। नियमित आर्थिक सहायता से महिलाएं स्वरोजगार अपनाकर आत्मनिर्भर बन रही हैं, परिवार की आय बढ़ा रही हैं तथा समाज में अपनी अलग पहचान स्थापित कर रही हैं। इन महिलाओं की सफलता इस बात का प्रमाण है कि यदि सही समय पर उचित सहयोग और अवसर मिले तो महिलाएं न केवल अपने जीवन को बदल सकती हैं, बल्कि परिवार, समाज और राज्य के विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान दे सकती हैं। मुख्यमंत्री मईयां सम्मान योजना आज महिलाओं के लिए केवल एक सरकारी योजना नहीं, बल्कि सम्मान, आत्मविश्वास, स्वावलंबन और उज्ज्वल भविष्य का मजबूत आधार बन चुकी है।

रंगदारी नहीं देने पर किराना दुकानदार पर हमला, महिलाओं से बदसलूकी का आरोप

जमशेदपुर : शहर के कदमा थाना क्षेत्र स्थित शास्त्री नगर ब्लॉक नंबर-4 के पास शनिवार रात रंगदारी को लेकर एक किराना दुकानदार पर जानलेवा हमले का मामला सामने आया है। आरोप है कि 10 से 15 की संख्या में पहुंचे बदमाशों ने दुकानदार से जबरन पैसों की मांग की। विरोध करने पर उसके साथ मारपीट की गई। इस दौरान दुकान और आसपास मौजूद महिलाओं के साथ भी बदसलूकी और छेड़खानी करने का आरोप लगाया गया है। घटना के बाद इलाके में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। पीड़ित दुकानदार विशाल कुमार ने बताया कि शिवम ठाकुर, आशीष और सुजीत अपने कई साथियों के साथ उनकी दुकान पर पहुंचे थे। आरोप है कि सभी ने रंगदारी की मांग की। जब उन्होंने पैसे देने से इनकार किया तो आरोपी गाली-गलौज करने लगे और मारपीट शुरू कर दी। विशाल का कहना है कि हमलावरों के पास अवैध हथियार, चाकू और छुरे भी थे, जिनके बल पर उन्हें डराने की कोशिश की गई। घटना के दौरान दुकान में मौजूद एक महिला के साथ भी आरोपियों ने अभद्र व्यवहार किया। वहीं, शोर सुनकर बीच-बचाव करने पहुंचीं स्थानीय महिलाओं ने भी बदमाशों पर छेड़खानी करने का आरोप लगाया है। पीड़ित के अनुसार, जाते समय आरोपियों ने धमकी दी कि अगर उनकी बात नहीं मानी गई तो उनका भी वही हाल किया जाएगा, जैसा शहर में चर्चित डीडी बार चापड़ कांड में हुआ था।